हमारा संकल्प सेवा एवं संगठन

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज

प्रगति के स्वर्णिम 16 वर्ष

सोसायटीज रजि. एक्ट एवं मुंबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट के तहत पंजीकृत
स्थापना : दिनांक 1 जुलाई 2007
पंजीकृत कार्यालय : 9, सिंदुर को-ओ, हाउसिंग. सोसायटी,
ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014
E-mail: humadjainfederation@gmail.com
Website : www.humadjainfederation.com

कृति :– **प्रगति के स्वर्णिम सोलह वर्ष**

सर्वाधिकार सुरक्षित :– प्रकाशकाधीन
मुद्रण वर्ष :– जुलाई 2023
प्रतियाँ :– 500

संपादक :– ***कौशल्या पतंग्या***
प्रोविन्स चेयरमेन : मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश
पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री :फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज
अध्यक्ष :श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर
148, विकास भवन, नेमीनगर जैन कॉलोनी,
केशरबाग रोड़, इन्दौर (म.प्र.)
मो. 09826634080

निर्देशक :– ***महेन्द्र बंडी***
29/3, स्नेहलतागंज, इन्दौर (म.प्र.) मो. 9827255910

मार्गदर्शक :– कार्यकारिणी वर्ष 2021–24
अध्यक्ष–***वसंतकुमार दोशी***,अहमदाबाद
मो. 9426742659

सौजन्य

श्री वसंतकुमारजी दोशी
अहमदाबाद
9426742659

श्री दिनेशचन्द्रजी शाह
डूंगरपूर
9414105185

श्री श्रीपालजी शाह
हिम्मतनगर
9824188760

श्रीमती कौशल्याजी पतंग्या
इन्दौर
9826634080

श्री डॉ. श्रेणिकजी शहा
इन्दापुर
9822454340

श्री सचिनजी शहा
नवी मुम्बई
9967502476

प्रकाशक
फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज
पंजीकृत कार्यालय : 9, सिंदुर को-ओ, हाउसिंग. सोसायटी, ईश्वर भवन के पास,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014
E-mail: humadjainfederation@gmail.com Website : www.humadjainfederation.com

कार्यकारिणी वर्ष 2021–2024

श्री वसंत कुमार दोशी
9426742659
राष्ट्रीय अध्यक्ष

एडहोक कमेटी 2006–2008

देवेन्द्र छाप्या – अध्यक्ष
उदयपुर (राजस्थान)

प्रथम कार्यकारिणी 2008–2010

हसमुख गांधी – चेयरमेन
इन्दौर (म.प्र.)

निरंजन जुवां– महामंत्री
अहमदाबाद (गुजरात)

द्वितीय कार्यकारिणी 2010–2012

निरंजन जुवां– चेयरमेन
अहमदाबाद(गुजरात)

अजित कोठिया– महामंत्री
डडूका (राजस्थान)

तृतीय कार्यकारिणी 2012–2014

महेन्द्र शाह – चेयरमेन
मुम्बई (महाराष्ट्र)

स्व. संजय गांधी – महामंत्री
मनासा (म.प्र.)

चतुर्थ कार्यकारिणी 2014–2016

अशोक शाह – चेयरमेन
उदयपुर (राजस्थान)

विपिन गांधी – महामंत्री
इन्दौर (म.प्र.)

पंचम कार्यकारिणी 2016–2018

श्रेणीक शहा– चेयरमेन
अकलुज (महाराष्ट्र)

कौशल्या पतंग्या– महामंत्री
इन्दौर (म.प्र.)

छठी कार्यकारिणी 2018–2020

दिनेशचन्द्र शाह –चेयरमेन
डूंगरपूर (राजस्थान)

मिहीर गांधी – महामंत्री
अकुलज (महाराष्ट्र)

सातवी कार्यकारिणी 2020–2024

बसंतभाई दोशी – चेयरमेन
अहमदाबाद(गुजरात)

अजीत कोठिया– महामंत्री
डडूका (राजस्थान)

महेन्द्र बंडी

निर्देशक की कलम से .....

आत्म विश्लेषण करना अर्थात – अपनी कॉपी स्वयं जाँचना ? बडा दुर्लभ कार्य होता है।

यदि किसी शुभ प्रसंग पर अपनी ओर से कोई भेंट देना हो तो चयन कठीन होता है, क्योंकि भावनाओं का समावेश होता है । परंतु यदि यह कार्य अपने किसी अज़ीज़ द्वारा आपको दिया जावे तो कार्य अधिक दुभर हो जाता है। देने वाले, लेने वाले और स्वयं की भावनाओं का रसायन बनाना निश्चित रूप से पशोपश में डाल देता है ।

ऐसा ही अन्तरद्वन्द भरा कार्य मेरे हिस्से में आया जिसमें हूमड़ समाज के जन–जन की भावनाऐं, फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज एवं विगत वर्षों के पदाधिकारीयों की मन स्थिती को समझना, यर्थाथ को नजर अंदाज किये बिना, और पढ़ने वालो को प्रिय लगे ऐसा कलेवर तैयार करना नि:संदेह मेरे जैसे अल्पज्ञ के लिए चुनौती रही। परंतु सभी पदाधिकारियों का आत्मिक सहयोग अंतरग विचारों का संप्रेषण, वर्तमान कार्यकारिणी का विश्वास, प्रबुद्धजनों का असिम आशिर्वाद, और सबसे उपर प्रभु की कृपा, जिसने साहस भरा और मन के विभिन्न उपवनों में खिले रंग बिरंगे भाव पुष्पों को एक माला बना कर आप सुधिजनों को जय माल के रूप में अर्पित है।

आप अपने विवेक से इसे सुधार कर पढ़े, कमियों से अवगत करावें, जो भविष्य के लिए दिशा –निर्देश करेगे। यदि यह संकलन किसी प्रज्ञावान जुझारू हूमड़जन के पास पहुँचे, तो आगे आवे ओर फेडरेशन को नई ऊँचाईयाँ देने में अपना योगदान प्रदान करें।

संगठन किसी व्यक्तित विशेष का नाम नहीं है। व्यक्ति समय के साथ बदल जावेगे। परंतु समूह के विचार नित नए आयामों को छुते रहेगे, यह परम सत्य है।

आज संगठन की एक आधार शिला तैयार है, इस पर आने वाले हूमड़जन द्वारा हूमड़जन के लिए आलीशान हूमड़ हित का भवन निर्मित किया जावेगा।

ऐसी शुभेच्छाओं के साथ.....

महेन्द्र बंडी

संपादकीय

(संकलनकर्ता)

कौशल्या पतंग्या

सम्माननीय समाजजन,

कुम्भकार की तरह जीवन को संभालकर आकार देने वाले मेरे सभी हूमड़जनों का मन के हर्षित भावों से वंदन–अभिनन्दन।

सादर जय जिनेन्द्र!

दूध में पानी और पानी में दूध ऐसे समरस हो जाते है कि चर्म चक्षुओं से भेद नहीं किया जा सकता।

इसी एकता की भावना को संजोकर फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का गठन किया गया।

शैशव काल में घुटनो चलता,गिरता, खड़ा होता यह संगठन अनेको संभावनाओं को संजोये अपने पैरो पर खड़ा है।

इन स्वर्णिम सोलह वर्ष के क्रिया –कलापो का एक संक्षिप्त संकलन करने का दायित्व वर्तमान पदेन अध्यक्ष द्वारा कार्यकारिणी की अनुशंसा से श्री वसंतभाई ने मुझे दिया। मैं सम्पूर्ण कार्यकारिणी के प्रति आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ ।

हूमड़ समाज की विभिन्न संस्थाओं से मेरा लगाव व प्रत्यक्ष भागीदारी रही है।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की 2005 से 2024 तक की सम्पूर्ण गतिविधियों की में साक्षी एवं सहभागी रही हूँ।

मैने यथा शक्ति तथ्यों को सकारात्मक संकलन कर श्रेष्ठी समाजजनों तक पहुँचाने का प्रयास किया है।

प्रत्येक व्यक्ति का संस्था या संगठन के साथ एक गठजोड़ अवश्य रहता है जो उसके विकास व प्रगति के मार्ग खोलेते है।

इसी विकास को दृष्टी में रख कर ''जो प्राप्त है सो प्रर्याप्त है'' इस कथन से दूर हट कर एक तृण तुल्य प्रयास किया है जो आगे के मार्ग को सुगम कर ऊँचे लक्ष्य प्राप्त करने को प्रेरित करेगा।

कौशल्या पतंग्या

हमारे उद्देश्य, कार्यक्रम गतिविधियाँ एवं योजनाएँ

- उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना' (इन्जीनियरिंग, मेडिकल, एम.बी.ए., एम.सी.ए. एवं आई आई टी के ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद हूमड़ विद्यार्थियों हेतु)।
- हूमड़ रक्त दिवस का प्रतिवर्ष जनवरी मास के प्रथम रविवार को संपूर्ण देश में आयोजन करना।
- नेत्रदान संकल्प कार्यक्रम को गति देना।
- फेडरेशन की एस.एम.एस. सेवा सूचनाओं एवं समाज उपयोगी अन्य जानकारियों का नियमित सम्प्रेषण करना।
- फेडरेशन की वेबसाईट को समय-समय पर अपडेट करना।
- अखिल भारतीय हूमड़ पारिवारिक विवरणिका का प्रकाशन करना।
- सदस्यों के स्वास्थ संबधी विषय पर सेमीनारो अथवा कार्यक्रमों का आयोजन कराना।
- हूमड़ इतिहास तथा हूमड़ संस्कृति एवं सभ्यता पर शोध करवाना।
- शिक्षा के क्षेत्र में आ रहे व्यापक परिवर्तनों से माता-पिता एवं विद्यार्थियों को शिक्षण के लक्ष्य निर्धारित करने में मदद करने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- युवा हूमड़ प्रोफेशनल एवं टेकनोक्रेटस को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु विशेष कार्यक्रमों का निर्माण व आयोजन करना।
- सभी प्रोविन्स के जिला स्तर या बड़े शहरो में विद्यार्थियों को रहने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थानीय हूमड़ संस्थाओं को हॉस्टल खोलने हेतु प्रेरित करना व उन्हें वित्तीय सहायता व अन्य जानकारियों हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना।
- उच्च शिक्षा संकुल प्रारंभ करने हेतु आवश्यक सर्वे करवाना व समाज हेतु इस योजना की वास्तविक उपयोगिता सुनिश्चित करना।
- खेडब्रम्हा एवं रायदेश गुजरात को हूमड़ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना। ग्रीष्मकालिन शिविरों के माध्यम से माइन्योरिटी के लाभ पर शिविरार्थियों में जाग्रति लाना है।
- भारतीय जैन संगठना, पूणे द्वारा प्रदत्त समाज के युवा वर्ग (महिला/पुरूष) को सही मार्गदर्शन व उनके भविष्य के निर्माण सें सबधित कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज को नई दिशा देने का रचनात्मक प्रयास करना।
- अन्य सभी उद्देश्य जो संविधान में दर्शाये है।

हमारा उद्देश्य

हूमड़ जैन समाज की शानदार ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को उजागर कर प्रत्येक हूमड़जन में समाज के प्रति ममत्व एवं जवाबदेही की भावना विकसित कर समाज को समग्र विकास की ओर अग्रसर करना।

OUR VISION 2047

Manifesting the glorious, historical, social and cultural heritage of Humad Jain Samaj, Inculcating the concept of belonginess and accountability in each Humad thus leading the society towards integrated development.

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज :

संस्थापक सदस्य

1. श्री देवेन्द्रकुमारजी छाप्या, उदयपुर
2. श्री बसंतलालजी झमकलालजी छाप्या, साबला
3. श्री भरतकुमारजी धुलीचंदजी कोरावत, परतापुर
4. श्री अजीतजी कोठिया, डडूका
5. श्री पवनकुमारजी बागड़िया, इन्दौर
6. श्री निरंजनकुमारजी शोभागमलजी जुवाँ, अहमदाबाद
7. श्री महेन्द्रकुमारजी जसवंतलालजी शाह, मुंबई
8. श्री कांतिलालजी मगनलालजी शाह, मुबंई
9. श्री अतुलजी राजेन्द्रजी सालगिया, मुम्बई

फेडरेशन का संगठनात्मक स्वरूप

हूमड़ समाज को आवश्यकतानुरूप योग्य दिशा देना, हूमड़जन की सामाजिक प्रगति सुनिश्चित करने तथा हूमड़ समन्वय का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके एतदर्थ फेडरेशन को प्रशासनिक दृष्टि से निम्न 5 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है :

क्षेत्र क्रमांक 1 : राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब एवं चंडीगढ़

क्षेत्र क्रमांक 2 : मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, एवं छत्तीसगढ़

क्षेत्र क्रमांक 3 : गुजरात

क्षेत्र क्रमांक 4 : महाराष्ट्र एवं गोवा

क्षेत्र क्रमांक 5 : आंध्रप्रदेश,कर्नाटक व शेष राज्य

क्षेत्र क्रमांक	संस्थागत सदस्य	संस्थापक सदस्य	परम संरक्षक सदस्य	संरक्षक सदस्य	आजीवन सदस्य	कुल सदस्य
1	86	4	8	20	37	155
2	23	1	4	9	15	52
3	13	1	3	3	9	29
4	40	3	4	6	12	65
5	6	–	1	–	–	7
कुल	168	9	20	38	73	308

हूमड़ गोत्र

निरन्तर प्रवास की वजह से क्षैत्रिय भाषा और उच्चारण अपभ्रंश के कारण मत मतान्तर दिखते है जो आपस में एक जैसे है। वर्तमान सामायन्य रूप से निम्न गोत्र प्रचलन में है।

1. खेरजा
2. उत्तरेश्वर, अंतरेश्वर
3. मात्रेश्वर, मंत्रेश्वर
4. बुद्धेश्वर, शमेश्वर, सिद्धेश्वर
5. वजियाणु, वजियाणो
6. भद्रेश्वर,भटकेश्वर
7. कमलेश्वर
8. अम्बेश्वर
9. काकणेश्वरी
10. कुशाछ
11. दुग्धेश्वर, दहेश्वर
12. काकेश्वर, कामेश्वर
13. गंगेश्वर
14. कल्याणेश्वर, कमलेश्वर
15. बुद्धेश्वर, सिद्धेश्वर
16. वाग्वेश्वर, वजियाणु, विश्वेश्वर
17. अगशत
18. पंकेश्वर, शंखेश्वर

प्रकाशकिय

वसंतकुमार दोशी
वर्तमान चेयरमेन

जैसे मुट्ठी से रेत फिसल जाती है उसी तरह पल – पल समय का चक्र आगे बढ़ता जाता और पिछे छोड़ जाता कुछ खट्टी मीठी यादें। ये यादे भविष्य में इतिहास का हिस्सा बन कर चीर स्थाई हो जाती है।

हूमड़ समाज अपने आप में समृद्ध, संस्कारित एवं लचीला पन लिए हुए है। पूर्वजों ने संघर्ष करके अपने पुरूषार्थ से एक ऐसे समाज की रचना की जो अपनी कर्म निष्ठा, समर्पण, ईमानदारी से जाना –पहचाना जाता है। आने वाले गतिरोधक, हमारे मार्ग में कभी बाधक नहीं बन पाये, सदैव संघर्ष से एक नया इतिहास रचा और अपनी ईमानदारी और समपर्ण से युक्त श्रम साध्य जीवन शैली के दम पर जहाँ गए अपनी नई पहचान बनाई। गर्व के साथ कह सकते हैं, हूमड़जन आज देश ही नही विश्व भर में योग्यता का अलग परमच फहरा रहे हैं।

प्रत्यावर्तन हमारी जरुरत या मजबूरी रही और वही हमारे लिए वरदान साबित हुआ। जहाँ गए 'दूध में शक्कर' की तरह रस बस गए। दूध और मीठ हो गया शक्कर का स्वाद नीखर आया। अलग–अलग स्थानों पर समाज संगठन की स्थापना हुई। कही मंदिर परम्परा से जुड़े, कहीं सेठ परम्परा से, तो कही सामाजिक आदर्शों को केन्द्रित कर समाज आगे बढ़ा। नदी की धारा की तरह सतत बहने वाला प्रवाह अनेक घाटो से गुजरता चला। कालांतर में इस बात की आवश्यक्ता महसूस हुई कि विभिन्न सामाजिक संगठनो एवं हूमड़जनो के बीच भौतिक दूरी वैचारिक, व्यावसायिक भिन्नता होने से अलग –थलग होते जा रहे है।

इसे पुन: जीवित करने हेतु वर्ष 2007 में 'फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज' का गठन हुआ जिसका विवरण आगे के पष्ठों में अंकित है। यद्यपि किसी भी नई संस्था को आकार लेने, जड़े जमाने में समय लगता है। उचित नेतृत्व व सही दिशा इसे गति देते है। फेडरेशन भी अपनी चाल से आगे बढ़ा, कभी धीरे, कभी तेज चलता, आज के मुकाम पर है –अभी बहुत कुछ करना शेष है।

इसी शेष को विशेष बनाने के उद्देश्य से सभी भूतपूर्व पदाधिकारियों के आत्ममंथन से ओत–प्रोत यह स्वर्णिम सोलह वर्षों का पूंज आप जैसे सुधी, प्रबुद्धजनों को समर्पित कर फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

इस पुस्कत को आकार देने में विशेष सहयोगी श्रीमती कौशल्या पतंग्या व श्री महेन्द्र बंडी एवं सभी सहयोग कर्ताओं का वन्दन –आभार।

वसंतकुमार दोशी

अजीतकुमार कोठिया

महामंत्री की कलम से ....

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के संस्थापक सदस्य के रूप में इस महत्ती हूमड़ जैन संस्था में अपना कैरियर वर्ष 2007 से प्रारंभ करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
युवा अवस्था में जब मेरी आयु 45 वर्ष की रही होगी समाज सेवा का जो जूनून सवार हुआ आज 62 वर्ष की आयु में अनवरत जारीहै।
मुझे गर्व है जब फेडरेशन ने 2005 में इन्दौर, मुंबई की मिटीगों एवं पावगढ़ सम्मेलन से करवट लेना प्रारंभ किया उस दौर का मैं साक्षी रहा।
फेडरेशन की स्थापना से लेकर आज तक इसकी कार्यकारिणी का सदस्य बने रहने का सौभाग्य मुझे प्राप्त है।
फेडरेशन में दो बार राजस्थान प्रोविन्स का चेयरमेन एवं दो बार राष्ट्रीय महामंत्री पद सुशोभित करने का अवसर मुझे मिला है।
फेडरेशन के खेडब्रह्मा, प्रतापगढ़, बड़ौदा, उज्जैन, परतापुर, सागवाड़ा, हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय एवं प्रांतिय अधिवेशनो के संयोजन एवं संचालन में महामंत्री एवं राजस्थान प्रोविन्स के चेयरमेन के रूप में मुझे अपनी भूमिका अदा करने का अवसर प्राप्त हुआ।
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृति के पूर्व श्री निरंजनजी जुआं के कार्यकाल में महामंत्री के रूप में अपनी प्रथम पारी में हम फेडरेशन को गाँव–गाँव एवं शहर–शहर तक लोने में सफल रहे।
कोविड काल के दो साल फेडरेशन की गति थोडी धीमी जरूर पडी पर थमी नही।
1 मई 2022 को फेडरेशन में अपने दूसरे कार्यकाल के दौराना पुन: महामंत्री पद की जिम्मेदारी दाहोद शहर से धारण की और इसके बाद बड़ौदा एवं इन्दौर अधिवेशनो के आयोजन द्वारा इसे सतत गतिमान टीम फेडरेशन 2021–20 24 के साथ एवं श्री वसंतजी दोशी के नेतृत्व में प्रयत्नशील हूँ।
फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज में विभिन्न स्तरों पर रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण,

नेत्रदान, परिचय सम्मेलन, शैक्षणिक सम्मेलन और गोष्ठियाँ , केरियर गाईडेन्स, वैज्ञानिक सेमीनार, वृक्षारोपण में सहभागी बन कर फेडरेशन सदैव आगे बढ़ा और पदाधिकारियों ने समय–समय पर हमें सहयोग व सकारात्मक भूमिका का समर्थन किया।
फेडरेशन को अपनी लकीर को अभी और लम्बा करना है। सदस्यों की सक्रियता और बढ़ानी है।
संस्थागत संरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की संख्या बढ़ाकर इसे आर्थिक संबल प्रदान करना है, ताकि उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति जैस हमारे राष्ट्रीय प्रोजेक्ट और गतिमान हो सके।
वार्षिक सदस्यता शुल्क समय पर जमा कराके और अपने कार्यक्षेत्र में सम्पादित कार्यों की रिपोर्ट भेजें, हमे इसे सुर्खियों में ला सकते है।
अपनी स्थानीय संस्थाओं में जितनी सक्रियता हम फेडरेशन के लिए रखेगें तभी इसका संस्थओं की संस्था वाला आधारभूत विचार सही साबित हो सकेगा।
प्रान्तिय सम्मेलन, वार्षिक आम सभा, कार्यकारिणी बैठको एवं राष्ट्रीय सम्मेलनो में हम अधिकाधिक एवं सक्रिय भागीदारी द्वारा फेडरेशन को पुन: इसके गौरवमयी स्थान पर काबिज कर सकते हैं ।
आईये हम संकल्प ले फेडरेशन के प्रति हृदय से समर्पण की, प्रतिदिन एक या दो सदस्यों से दूरभाष पर सम्पर्क की, और हर बैठक में समय पर भाग लेनी की।
फिर वो दिन दूर नही जब फेडरेशन देश की सर्वोपरि संस्थाओं में से एक साबित हो जायेगी।
यह काम कठिन नहीं है–संभव है।
आईये इस हेतु समर्पित कोशिश करें क्योंकि

कोशिश करने वालो की कभी हार नही होती।

अजीतकुमार कोठिया

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज

इतिहास के आयने में.....(कौशल्या पतंग्या)

इतिहास अतीत को देखने की तीसरी आँख (थर्ड आई) है । पुराने साक्ष्य को सांस्कृतिक विरासत से जोड़कर, अनुमान ज्ञान के द्वारा तर्क की कसौटी पर कस कर तैयार किये गये दस्तावेज जो यथार्थता का पोषण करते हैं, उन्हें हम इतिहास का नाम देते हैं।

इतिहासविदों की मान्यात है कि जिस राष्ट्र या समाज की सांस्कृतिक विरासत नहीं होती वह राष्ट्र या समाज समृद्ध नहीं हो सकता। राष्ट्र और समाज की शिराओं और धमनियों में संस्कृति रूपी प्राण ही प्रवाहित होते हैं, वही उसे जागृत और जीवंत बनाये रख सकते हैं।

हूमड़ समाज अपने समृद्ध सांस्कृतिक अतीत के कारण काल के क्रूर–चक्र को वरण करते हुये भी अजय और अडिग है।

इतिहास आम विद्यार्थी के लिए एक रूखा विषय है। कोई इसे पढ़ना नहीं चाहता पर मुश्किल यह है कि इसके बिना गुजारा भी नही चलता। प्रत्येक व्यक्ति के मन में वंश, परिवार, रिश्तेदार, समाज के बारे में जानने की ललक होती है। विवाह आदि के अवसर पर तो यह और भी आवश्यक हो जाता है जब कोई गोत्र, वंश, परम्परा पूछता है तो इधर उधर झाँकने की आवश्यक्तता बलवती हो उठती है। इसी आवश्यक्ता की प्रक्रिया को इतिहास की संज्ञा दे सकते हैं । हम कौन है ? कहॉ से आये? हमारे आचरण और व्यवहार के पिछे क्या परिस्थितियाँ है, इन सबका ब्यौरा हम हमारी जड़ो में ढूँढ़ने का प्रयास करते हैं। एक विशेष समूह जिसे हम समाज का नाम देते हैं, वहाँ से कुछ संरक्षण हमें प्राप्त होता है और कुछ अधिकार हम उस समूह को देते है, वही समाज कहलाता है।

हूमड़ इतिहास की सबसे पहली जानकारी विक्रम संवत 909 में देवसेनाचार्य रचित प्राकृत दर्शन सारग्रंथ की गाथा क्रं. 30 से 38 में मिलती है।

प्रतापगढ़ निवासी वैद्य श्री जवाहरलालजी गुमानजी ने इसे ज्ञातव्य किया एवं ब्रह्मचारी शीतलप्रसादीज द्वारा रचित ग्रंथ 'दानवीर मानकचंद' में इसकी जानकारी को प्रकाशित किया। जिसमें लिखा है कि विक्रम राजा के 793 वर्ष बाद नंदीयाड ग्राम में काष्ठा संघ का प्रवेश हुआ। वागड़ देश में काष्ठा संघ की प्रवृत्ति अधिक है और उधर हूमड़ काष्ठा संघी कहलाते हैं।

हूमड़ समूह में एक सबसे महत्वपूर्ण बात है बार बार प्रत्यावर्तित होने की बाध्यता। जहाँ बरसो रहे, उसे छोड़कर दूसरे स्थान पर जाकर बस जाना। इतिहास शोध समिति के कई संदर्भ एवं लोक संदर्भ यह सूचना देतेहैं कि हूमड़ समूह सबसे पहले ईडर मैं विक्रम संवत 101 में पहचाना गया। ईडर से हूमड़ो का बहुत बड़ा समूह बागड़ की ओर प्रत्यावर्तित हुआ। यह पलायन राजनैतिक परिस्थितियों का परिणाम था। यह सुरक्षा की दृष्टि से हुआ था।

बागड़ से एक अन्य प्रत्यावर्तन देवगढ़ होते हुये प्रतापगढ़ की ओर हुआ। यह 300 से 325 वर्ष पूर्व यह प्रत्यावर्तन हुआ होगा।

2 फरवरी 1718 को देवलिया (देवगढ़) में दिगम्बर जैन संप्रदाय के मन्दिर (बड़ा मदिंर) की प्रतिष्ठा वर्षा के पुत्र वर्धमान और पौत्र दयाल ने की। वर्षा शाह महारावत हरिसिंह के समय उनका मंत्री था। उनके प्रयत्नों से 1000 हूमड़ परिवारो का कांठल प्रदेश में प्रत्यावर्तित हुआ।

करीब–करीब इसी समय छत्रपति शिवाजी के प्रश्रय में ईडर से बहुत बड़ा हूमड़ समाज महाराष्ट्र की ओर प्रवासरत हुआ। 344 वर्ष पूर्व यानि सन् 1655 में शिवाजी ने जयचंद गांधी को जागीर देकर सम्मानित किया और यहाँ बसाया।

बारामती, फल्टन, अकलूज, शोलापुर, नातीपुते, दहीगाँव, एलीचपुर आदि में हूमड़ अस्तित्व में आये।

प्रतापगढ़ में हूमड़ समूह ने शासकीय प्रश्रय में शासन संचालन और व्यापार व्यवस्था में अपनी योग्यता को प्रदर्शित किया। स्थाई निवास एवं मन्दिरों का निर्माण कराया। शिक्षा एवं आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता लाने हेतु प्रतापगढ़ से इन्दौर और मुम्बई की और प्रवास किया। बागड़ और दक्षिणाचंल के लोग सूरत, मुम्बई व पूना की और प्रवास कर गये।

इस छोटे से समाज ने विदेशों को भी अपना कार्यक्षेत्र चुना। वागड़ क्षेत्र के लोगों ने खाड़ी देशों में अपना भाग्य अजमाया। इन्दौर, मुम्बई, गुजरात के लोग पश्चिम की और गये। संभवत:इसी प्रत्यावर्तन ने हूमड़ समूह को जुझारू एवं कर्मशील बनाया।

पुरे भारत के हूमड़ो को एक सूत्र में बाँधने के प्रयास अनेक बुद्धिजीवी व्यक्तियों ने किये। (संवत 1984) सन् 1927 में समाज की परिस्थितियों से जागरूक श्री जवहारलालजी वैद्य (प्रतापगढ़–राजस्थान) ने एक सपना देखा था।

आपने एक एतिहासिक दस्तावेज तैयार किया था, जिसमें सामाजिक स्तर पर समाज सुधार के साथ–साथ यह निवेदन किया था कि ''जेठ सुदी पुनम'' को सभी मंदिर के

मुखिया एक स्थान पर एकत्रित हो नयी दिशा में विचार–विमर्श करें।

यह दस्तावेज संवत 1984 वैशाख सुदी 3 को प्रतापढ़ (राजपुताना) से लिखा गया और उसमें '' आपका शुभेच्छु–जवाहरलाल जैन वैद्य'' लिखा था।

इन्ही सब प्रयासों के बीच एक रोशन सितारा गुजरात से उदित हुआ, जिनका नाम था ''श्री हीरालालजी सालगिया'' । जिन्हें एक धुन थी कि हूमड़ समाज का अपना एक इतिहास होना चाहिये और इस दुरूह कार्य को आपने अपने हाथों में लिया एक संस्था बनाई जिसे आपने 'श्री अखिल भारतीय हूमड़ इतिहास शोध समिति'' नाम दिया। इसके माध्यम से राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महारष्ट्र, कर्नाटक आदि जगह के लोगों का जुड़ाव हुआ और एक इतिहास शोध समिति का निर्माण किया गया जिसके प्रमुख संयोजक श्री हीरालालजी सालगिया अहमदाबाद थे।

संपादक मंडल :– श्री गणेशलालजी छापिया– उदयपुर, श्री धनराजजी गुवाड़िया–सागवाड़ा, श्री बाबुलालजी गांधी–ईडर, श्री भैय्यालालजी बंडी–प्रतापगढ़, श्री आनंदीलालजी जीवराजजी दोशी–फल्टन, श्री कांतिलालजी जैन–कलिंजरा, श्री हीरालालजी जैन–कंलिजरा, श्री रतनलालजी जैन –उदयपुर, श्रीमती डॉ. संगीताजी मेहता–इन्दौर, श्रीमती सुशीलाजी सालगिया–इन्दौर, श्री जयन्तजी शाह–मुम्बई, श्री मणिभ्रदजी जैन–डूंगरपूर।

मुख्य संपादक : डॉ. रामकुमारजी गुप्ता –अहमदाबाद, सह संपाद क: श्रीमती मंजुजी भटनागर थे।

अखिल भारतीय हूमड़ इतिहास शोध समिति की ***प्रथम मिटिंग*** दिनांक 18 अगस्त 1993 को दिगम्बर जैन मन्दिर, विजयनगर में परम पूज्य मुनि सुबाहु सागरजी महाराज के सानिध्य में व श्री शांतिलालजी दोशी–इन्दौर की अध्यक्षता में हुई।

इसमें हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर के मंत्री श्री कैलाशजी वगेरिया ने भाग लिया।

श्री हीरालाजी सालगिया ने इस मिटिंग में हूमड़ समाज से संबधित ग्रंथों, मुर्तियों, अक्षेरित प्रमाण, पुराण और पुरात्तव विभाग की सामग्री से हूमड़ समाज की उत्पत्ति और उसके तैयार मसविदे प्रस्तुत किये।

इस मिटिंग में मुख्य रूप से 5 प्रस्ताव रखे गयें।

प्रथम प्रस्ताव : प्रस्तावक – श्री प्रकाशजी सालगिया, समर्थक –श्री कैलाशजी बगैरिया – इन्दौर:– इतिहास के संग्रह, शोध, प्रकाशन हेतु एक समिति का गठन किया जावे। इस समिति का नाम 'श्री हूमड़ समाज इतिहास शोध समिति' हो।

इसके मुख्य संजयोजक श्री हीरालालजी सालगिया–अहमदाबाद रहें । वे इस समिति के सदस्यों के चयन करने हेतु अधिकृत किये जावे।

द्वितीय प्रस्ताव : प्रस्तावक – श्री बाबुलालजी सी गांधी– ईडर, समर्थक – श्री भैयालालजी बंडी–प्रतापगढ़ : यह समिति इतिहास शोध के अलावा निम्न कार्य करें 1. अखिल भारतीया हूमड़ समाज की गणना। 2. भारत में हूमड़ समाज की समस्त धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक जानकारी एकत्र करना। 3. अन्य कार्य जो अखिल भारतीय हूमड़ समाज के हित में हो।

तृतीय प्रस्ताव : प्रस्तावक – श्री पवनकुमारजी बागड़िया, इन्दौर समर्थक – श्री मनुभाई शाह, गुजरात : उपरोक्त प्रस्तावों के उद्देश्य की प्राप्ती हेतु आर्थिक सहयोग जुटाने का अधिकार केन्द्रिय समिति के पास रहेगा।

चतुर्थ प्रस्ताव : प्रस्तावक –श्री विमलकुमार गांधी–दिल्ली, समर्थक– श्री डॉ. स्वराज्यकुमार हूमड़–इन्दौर : प्रचलित मान्यता यह है कि हूमड़ जाति की उत्पत्ति का स्थान खेड़ब्रह्मा एवं स्थापना वर्ष विक्रम संवत 101 है।

यह विचारणीय विषय है। इस बारे में अन्य मान्यतायें भी प्रचलित है अत: इतिहास में रूचि रखने वाले विद्वान इस विषय में पक्ष–विपक्ष में अपने मत सप्रमाण 3 महिने में प्रस्तुत करें । समर्थक – श्री कांतिलालजी जैन–कलिंजरा, श्री हीरालालजी जैन–कलिंजरा।

पंचम प्रस्ताव : प्रस्तावक – श्री विनोद हर्ष – राजस्थान, समर्थक – श्री शांतिलालजी दोशी–इन्दौर : हम समस्त हूमड़ जाति समाज संबंधित है और भविष्य में हम अपने नाम के साथ सिर्फ हूमड़ जैन शब्द का उपयोग करेंगें।

भारत जनगणना में सिर्फ जैन शब्द का उपयोग करेंगें।

यह सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास हुये। ईडर के श्री बाबुभाई गांधी ने कहा – हम तो एक डाल के पंछी है, न 'वीसा' हैं न 'दशा' हैं, हम 'हूमड़' है, हम 'हूमड़' है।

हूमड़ एकता का यह प्रथम प्रयास परवान चढ़ने को तैयार हुआ।

अखिल भारतीय हूमड़ इतिहास शोध समिति की ***द्वितीय मिटिंग*** गोम्मटगिरी तीर्थ क्षेत्र, इन्दौर पर आयोजित की गई जिसमें उपस्थिति दर्ज कराई – 1. श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर 2. श्री हूमड़ युवा मंच, इन्दौर 3. श्री हूमड़ संस्कार परिसर ट्रस्ट, इन्दौर 4. अध्यक्ष श्री शांतिलालजी दोशी, इन्दौर व संयोजक श्री हीरालालजी

सालगिया, अहमदाबाद, श्री यु.एन. भांचावत, श्री कन्हैयालालजी सालगिया, श्री सूरजमलजी बोबड़ा, डॉ. संगीता मेहता, डॉ. सुशीला सालगिया, श्री विमलकुमारजी गांधी एवं शोध समिति के सभी सदस्य। इस अधिवेशन में इतिहास के प्रथम भाग के लेखन का निर्णय लिया गया।

तृतीय मिटींग – (तृतीय अधिवेशन)

स्थान : दिगम्बर जैन बोर्डिंग, अहमदाबाद

दिनांक : 11–12 जून 1994

1. इस सम्मेलन में इतिहास हेतु विज्ञापन, विमोचन की राशि तय की गई।

2. पावगढ़ सिद्ध क्षेत्र महासम्मेलन करने का निर्णय लिया गया।

3. लेखन समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया की इतिहास संपादन हेतु मानदेय के रूप में किसी को अधिकृत किया जावे।

4. 'अखिल भारतीय हूमड़ समाज संगठन' की स्थापना हेतु प्रस्ताव, कमेटी का निर्माण किया गया। इसके संयोजक – श्री प्रकाश सालगिया–इन्दौर, सदस्य– श्री मणिभद्र जैन– डूंगरपूर, श्री गणेशलाल छापिया– डूंगरपूर, श्री विनोद हर्ष–अहमदाबाद, श्री शान्तिलाल दोशी–इन्दौर, श्री भैय्यालाल बंडी–प्रतापगढ़, श्री रतनलाल गोरणिया–उदयपुर, श्री कांतिलाल जैन–कलिंजरा, श्री धनराज गोवाड़िया–सागवाड़ा, श्री बाबुभाई गांधी–ईडर, श्री बाबुभाई शाह–अहमदाबाद, श्री सूरजमल बोबड़ा–इन्दौर, श्री निर्मलकुमार बंडी–मुम्बई, श्री के.एम.शाह– मुम्बई, श्री ताराचंद मणिलाल शाह–मुम्बई , श्रीमती डॉडूला बहन–अहमदाबाद

चतुर्थ मिटिंग (चतुर्थ अधिवेशन)

स्थान : पावागढ़ –गुजरात

दिनांक : 19–20 नवंबर 1994

लम्बी प्रक्रिया के पश्चात् ये प्रयास रंग लाये और पावगढ़ में अधिवेशन आयोजित किया गया। हूमड़ इतिहास शोध समिति के माध्यम से अखिल भारतीय हूमड़ समाज संस्था के जन्म का विचार पैदा हुआ। इतिहास की जानकारी एकत्रित होने के साथ क्षेत्रिय संगठनों से परिचय के कारण इस विचार ने और बल पाया। इतिहास के प्रथम अंक के

विमोचन के साथ भिन्न –भिन्न क्षेत्रों के हूमड़ इस माध्यम से मिले। इतिहास के प्रथम भाग के विमोचन के साथ ' अखिल भारतीय हूमड़ संघ' के बनाने का निश्चय किया गया। महिलाओं का सम्मेलन हुआ, महिलाओं का व्यक्तित्व विकास पर विभिन्न शहरों की महिलाओं ने अपने विचार रखें। इन्दौर की और से श्रीमती कौशल्या पतंग्या ने प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किये, प्रदर्शनी आयोजित की गई, सम्मान समारोह आयोजित हुये। 'महासंघ संस्था का विधान बनाने के लिये एक विस्तृत अनौपचारिक समिति बनाई गई और उसे संविधान बनाने का निर्देश दिया गया।

इसी सम्मेलन में इन्दौर के'श्री शान्तिलालजी दोशी ' को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। दो वर्ष तक पूरे भारत के हूमड़ो को एक सूत्र में पिरोने हेतु आपने गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान के दौरे किये। पुना में होने वाले परिचय सम्मेलन एवं अन्य जगहों पर हूमड़ समाज के कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु अपने साथ एक प्रतिनिधी मंडल को लेकर जाते थे। कई बार उनके साथ इन प्रतिनिधी मंडलो में मुझे जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस बीच इतिहास के दूसरे भाग के लेखन का कार्य भी प्रगति पर था। श्री हीरालालजी सालगिया निरन्तर घुम–घुम कर इतिहास प्रकाशन हेतु कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे।

धरियावद में विशाल सम्मेलन आयोजित हुआ ''श्री 105 अठारह हजार दशा हूमड़जी साढे बारह मंदिरजी बंदीजी एवं चौखला संबधी दिगंबर जैन समाज'' द्वारा 2 अक्टोबर 1996 को धरियावद में आयाजित हुआ जिसमें 70 गाँवो ने भाग लिया था।

श्री हीरालालजी के साथ इन्दौर से श्री शांतिलालजी दोशी, कौशल्या पतंग्या, हसमुख गांधी, मुम्बई से श्री ज्ञानचन्द्रजी सेठ ने विशेष रूप से भाग लिया। समाज में व्याप्त कुरितियों पर खुल कर चर्चा हुई एवं इतिहास के द्वितीय भाग के प्रकाशन पर चर्चा हुई।

इसी समय अखिल भारतिय हूमड़ जैन महासंघ की(एड्हॉक तदर्थ समिति) की बैठक इन्दौर में श्री हूमड़ जैन समाज भवन, महेश नगर, गुलाब पार्क पर हुई। इन्दौर, अहदाबाद, उज्जैन, प्रतापगढ़ से आमंत्रित सदस्यों ने मिल बैठकर संघ के प्रस्तावित एजेंडे पर विचार विमर्श किया।

सहकारी क्षेत्र में बैंक व खादी विलेज इंडस्ट्रीज, बोर्ड के अंतर्गत सहकारी समिति के गठन पर गहराई से सोच विचार किया, पर यह निर्णय लिया कि पहले संगठन मजबूत होना चाहिये, इसके बाद साख संस्था का गठन करना चाहिये।

इतिहास शोध समिति के महामंत्री श्री हीरालालजी सालगिया ने आय–व्यय पत्रक प्रस्तुत किया।

मुम्बई निवासी श्री महावीरभाई ने न्यू बाम्बे में अपनी विशाल जीमन में से 7.30 एकड़

जमीन अल्प मूल्य में संघ को देने का प्रस्ताव रखा। इस पर एक समिति का गठन किया गया कि वह भूमिका सर्वेक्षण कर निर्णय ले।

तत्पश्चात् अ.भा. हूमड़ जैन महासंघ की म.प्र. इकाई की कार्यकारिणी की सभा उज्जैन में सम्पन्न हुई। इसमें सर्वानुमति से निर्णय लिया गया कि इन्दौर में सहकारी बैंक का कार्य प्रारंभ किया जाय।

इस हेतु 5 सदस्यी समिति का गठन किया गया।

31 अक्टूबर व 1 नवंबर को आयोजित अधिवेशन की जानकारी महामंत्री श्री प्रकाश सालगिया ने दी। आगामी हूमड़ इतिहास के द्वितीय अंक के प्रकाशन एवं विमोचन की जानकारी कौशल्या पतंग्या ने दी।

कांतिचन्दजी मिण्डा ने आभार व्यक्त किया। महासंघ के अध्यक्ष श्री शान्तिलालजी दोशी एवं मध्यप्रदेश इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रतनलालजी बंडी ने सभा को संबोधित किया। उज्जैन समाज के श्री राजमलजी सालगिया, श्री राजमलजी दोशी, श्री सुनीलजी दोशी, श्री अक्षयजी जैन आदि ने सभी का स्वागत किया। इस सभा में इन्दौर, देवास, उज्जैन, मन्दसौर, झाबुआ आदि जगह के 40 प्रतिनिधी उपस्थित थे। सभा का संचालन श्री पवन बागड़िया ने किया।

श्री जीवराज गांधी की अध्यक्ष पद पर नियुक्ति :

श्रीमान शांतिलालजी दोशी का द्वि वर्षिय कार्यकाल समाप्त हुआ और अब महाराष्ट्र से मुम्बई के उप नगर–कुरला में जीवराज गांधी के निवास पर महासंघ की मिटिंग हुई जिसमें इन्दौर,मुम्बई, उज्जैन, पुना कई जगहों के समाज सदस्य इसमें सम्मिलित हुये। इतिहास के दूसरे भाग के प्रकाशन पर चर्चा हुई एवं इसमें श्री जीवराज गांधी को अध्यक्ष मनोनित किया गया।

श्री जीवराज गांधी ने पूरे महाराष्ट्र में भ्रमण कर इतिहास प्रकाशन हेतु धन संचय का कार्य किया। इसी समय जीवराज गांधी, इन्दौर स्नेह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आये।

श्री जीवराजी गांधी महाराष्ट्र में जाने माने थे, पर शेष भारत को वह जोड़ नहीं पाये।

दिनांक 5 एवं 6 जून 98 को महाराष्ट्र के फल्टन में महा सम्मेलन एवं हूमड़ इतिहास का विमोचन किया गया। यहाँ दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले सत्र की अध्यक्षता श्री हीरालालजी माणकचंद गांधी – अकलूज ने की। इतिहास के दूसरे भाग का विमोचन श्री विमलचंद गांधी इन्दौर ने किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि

निवालकर शिवाजी राजे नाईक (मेयर फल्टन) उपस्थित थे। इतिहास के द्वितीय भाग की प्रथम कृति श्री अनिलकुमारजी मेहता ने रू. 36 हजार में प्राप्त की।

द्वितीय सत्र में अ. भा. महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सत्र की संजयोजिका श्रीमती कौशल्या पतंग्या थी। अध्यक्षता सो. का .धनश्री अरविंद फडे ने की। विभिन्न प्रान्तों से आये प्रतिनिधियों ने भी अपने विचारों और कार्यों का आदान प्रदान किया। सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अब इतिहास शोध समिती का कार्य समाप्त हो गया था। श्री जीवराजजी गांधी महाराष्ट्र में इसका प्रचार करते रहे। कुन्थलगिरी में विशाल महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। श्रीमती वैशाली शाह ने पुरे महाराष्ट्र की सभी महिला संगठनों को इसमें आमंत्रित किया। इन्दौर से इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कौशल्या पतंग्या को आमंत्रित किया गया। करीब 1500 महिलायें विभिन्न प्रान्तों से यहाँ आई थी। विभिन्न विषयों पर बेबाकी से अपने विचार रखे। एक अखिल भारतीय महिला संगठन के निर्माण का विचार भी इस सम्मेलन में उभर कर आया।

महाराष्ट्र की महिलायें धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में अच्छी दखलंदाजी रखती है। महाराष्ट्र में अलग–अलग जगह महिला संगठनो द्वारा युवक–युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किये जाते थे, जिसमें जीवराजजी गांधी को अखिल भारतीय हूमड़ समाज के अध्यक्ष के नाते आमंत्रित किया जाता रहा। पर वे उत्तर भारत और मध्य भारत में संगठन को मजबूत नहीं कर पाये ओर धीरे–धीरे यह संस्था शिथिल हो गई।

चूँकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जुड़कर रहना उसकी आंतरिक इच्छा है।

अखिल भारतीय संगठन की सुगुबगाहट मन में चल रही थी। मुम्बई, अहमदाबाद, इन्दौर के लोग विशेष रूप से उत्साहित थे। सन् 2005 में जब स्व. सूरजमलजी सालगिया, इन्दौर समाज के अध्यक्ष थे तब आपने राष्ट्रीय स्तर का एक कार्यक्रम अप्सरा होटल, आर.एन.टी.मार्ग, इन्दौर में आयोजित किया जिसमें उज्जैन, देवास, मन्दसौर, मुम्बई, अहमदाबाद एवं आसपास के सभी प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया।

इस गोष्ठी को नाम दिया गया ''सामाजिक गतिविधि परिचर्चा'' जिसमें सभी संगठनों ने अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसी गोष्ठी में अखिल भारतीय संगठन (फेडरेशन) के लिए महत्वपूर्ण संकेत उभर कर आये।

श्री हूमड़ जैन समाज,मुम्बई ने अपने अमृत महोत्सव वर्ष के कार्यक्रम में ''अखिल भारतीय हूमड़ जैन अधिवेशन 2 व 3 दिसम्बर 2006 को मुम्बई पोदनपुर में आयोजित करने की घोषणा की। इस अधिवेशन में मुम्बई, इन्दौर, प्रतापगढ़ , उदयपुर, मंदसौर,

देवास, उज्जैन, अहमदाबाद, बडौदा, सूरत, धुलिया, बाँसवाड़ा, बागीदौरा, कलिंजरा, साबला, रतलाम, डडूका, कुशलगढ़, जयपुर, दाहोद, आदि स्थानों से करीब 150 लोगों ने भाग लिया। 4 सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दो दिनी मंथन के बाद श्री के.एम. शाह (संयोजक अधिवेशन) ने फेडरेशन के गठन पर समस्त प्रतिनिधियों की सहमति पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री हूमड़ जैन समाज, मुम्बई के अध्यक्ष श्री महेन्द्र शाह ने''फेडरेशन ऑफ हूमड़जैन समाज ''के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया, समर्थन श्री सूरजमलजी सालगिया–अध्यक्ष,इन्दौर ने किया । फेडरेशन की गठन की स्वीकृति उपस्थित जन समूह ने हाथ उठाकर दी । तदानुसार 14 सदस्यीय संविधान निर्माण समिति का गठन किया गया जिसमें 1. श्री देवेन्द्र छापिया–उदयपुर, श्री कांतिलाल मिण्डा–मन्दसौर, श्री बसंतलाल जैन–साबला, श्री पवन बागड़िया–इन्दौर, श्री निरंजन जुवां–अहमदाबाद, श्री बाबुलाल शाह–मुम्बई, श्री के.एम.शाह–मुम्बई , श्री महेन्द्र शाह–मुम्बई, श्री सूरजमल सालगिया–इन्दौर, श्री भारतकुमार कोरावत–परतापुर, श्री अजित कोठिया–डडूका, श्री अतुल सालगिया–मुम्बई, श्री हीरालाल जैन – कलिंजरा, श्री शांतिलाल सेठ–बांसवाड़ा थे।

इस संविधना निर्माण समिति के संयोजक श्री बाबूलालजी शाह मुम्बई थे। आपके नेतृत्व में मुम्बई एवं अहमदाबाद में कई मिटिंग आयोजित की गई एवं नियमावली का निर्माण किया गया । श्री निरंजन जुवां एवं श्री बाबुलाल शाह के अथक प्रयास से 14 अप्रेल 2007 को मुम्बई में संविधान का प्रारूप तैयार किया गया एवं एक एड्हॉक(अनौपचारिक) कमेटी का निर्माण किया गया जिसके चेयरमने श्री देवेन्द्रकुमार छापिया –उदयपुर को नियुक्त किया गया।

1 जुलाई 2007 को संविधान पारित किया गया एवं ''फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज'' के नाम से संस्था का रजिस्ट्रेशन किया गया। इसका पंजीकृत कार्यालय 9, सिंदूर को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि., ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहदाबाद (गुजरात) पिन 380014 तय किया गया।

इस संगठन के निर्माण के निम्न उद्देश्य एवं लक्ष्य निर्धारित किये गये।

मेमोरेन्डम ऑफ एसोसीएशन

लक्ष्य और उद्देश्य : फेडरेशन के निम्न लक्ष्य और उद्देश्य है :

1. विद्यार्थियों को शिक्षा संबंधी सहयोग प्रदान करना

2. उच्च शिक्षण या अनुसंधान में प्रवृत्त विद्यार्थियों को नियमित तथा आकस्मिक

छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना। विधी, अर्थशास्त्र, तकनीकी, आयुर्विज्ञान तथा अन्य शिक्षण संबंधी शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाओं कोआर्थिक सहयोग प्रदान करना।

3. शैक्षणिक संस्थाएं जैस विश्वविद्यालय, विद्यालय, छात्रावास व अनाथालय का निर्माण व प्रंबधन करना।

4. संस्थाओं और व्यक्ति विशेष को इतिहास संबंधी विषयों पर शोध,संरक्षण एवं प्रकाशन हेतु प्रोत्साहित करना।

5. निराश्रित /निर्धन तथा वरिष्ठजनों के लिए चिकित्सा सहायता प्रदान करना तथा चिकित्सा संबधी बीमा योजनाओं को उनके लिएअपनाना।

6. पात्र व्यक्तियों को रोगोपचार हेतु आवश्यक सहायता प्रदान करना।

7. सार्वजनिक ओषधालय, प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र तथा योग केन्द्र एवं विशेष रोग निवारण केन्द्र की स्थापना,निर्माण एवं संचालन व भवन मरम्मत/नवीनीकरण आदि करवाना।

8. स्व–सहायताकार्यक्रमों /केन्द्रों का संचालन करना जहाँ जरूरतमंद हुनर सीखकर जीवन र्निवाह कर सकें।

9. समाज के लिए महत्वपूर्ण एवं हितकारी योजनाएं, सम्बन्धित विभाग से प्राप्त करना एवं इसमें आ रही कठिनाईयों के निवारण हेतु सहयोग करना।

10.जनहित संबंधी प्रकरणों के लिए सक्षम अधिकारियों/विभागों को सम्पर्क करना जन जागृति/चेतना उत्पन्न करना एवं सहयोग करना।

11. जनहित में व्यक्तियों की सामाजिक स्थिति, रूचि, हित तथा प्रतिष्ठा को संरक्षण प्रदान करनेसंबधी कार्य करना।

12. समान विचारों तथा उद्देश्यों वाले अन्य सामाजिक व सांस्कृति क संगठनों के साथ सम्मेलनों, विचार गोष्ठियों कार्यकाशालाओं तथा संयुक्त कार्यक्रमों का आयोजन करना।

13. फेडरेशन के सदस्यों के मध्य सूचना तंत्र को सुदृढ़ करना, नियमित रूप से सूचनाओं तथा सदस्यों द्वारा आयोजित गतिविधियों का आदान प्रदान करना।

14. सरकार द्वारा पारित प्रस्तावों , नियमों, आदेशों तथा अन्य उपयोगी सूचनाओं को जनजागृति हेतु प्रसारित करना।

15. समाज में भाईचारे तथा सहकार की भावना को प्रोत्साहित करना।

16. सांस्कृतिक आदान–प्रदान द्वारा सामाजिक सम्बन्धों के र्निमाण व विकास को बल देना ।

17. धर्मशाला, प्याऊ तथा वृद्धाश्रम का निर्माण /संचालन करना तथा भवन मरम्मत/नवीनीकरण करना एवं ऐसे कार्यो के लिए अन्य संस्थाओं को दान देना।

मुम्बई अधिवेशन 2006 में संविधान निर्माण समिति के साथ एक एड्हॉक कमेटी का निर्माण किया गया। जिसमें निम्न सदस्य नियुक्त किये गये थे, जो बाद में संस्थापक सदस्य के नाम से अंकित किये गये :

1. श्री देवेन्द्रकुमार छाप्या–उदयपुर	–	चेयरमेन
2. श्री कांतिचन्द मिण्डा–मन्दसौर	–	वाईस चेयमेन
3. श्री बंसतीलाल जैन – साबला	–	वाईस चेयमेन
4. श्री पवन बागड़िया – इन्दौर	–	वाईस चेयमेन
5. श्री निरंजनकुमार जुवां –अहमदाबाद	–	महामंत्री
6. श्री बाबुलाल शाह –मुम्बई	–	सदस्य
7. श्री के.एम. शाह –मुम्बई	–	सदस्य
8. श्री महेन्द्र शाह – मुम्बई	–	सदस्य
9. श्री सूरजमल सालगिया–इन्दौर	–	सदस्य
10. श्री भरतकुमार कोरावात	–	सदस्य
11. श्री अजित कोठिया – डडूका (राज.)	–	सदस्य
12. श्री अतुल राजेन्द्र सालगिया –मुम्बई	–	सदस्य

संविधान निर्माण के बाद इसका प्रथम अधिवेशन श्री देवेन्द्रजी छाप्या की अध्यक्षता में उदयपुर में आयोजित किया गया।

दो दिवसीय अधिवेशन में अनेक विषयों पर विचार विमर्श हुआ।

पुरे भारत को 5 क्षेत्रों में विभाजित किया गया।

1. उत्तरी राज्य	–	राजस्थान, पंजाब, दिल्ली एवं हरियाणा
2. मध्य भाग	–	मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश
3. पश्चिम भाग	–	गुजरात
4. दक्षिण मध्य भाग	–	महाराष्ट्र, गोवा

5. दक्षिण भाग	–	कर्नाटक, आंध्रप्रदेश व देश के शेष भाग

प्रत्येक क्षेत्र का एक वाईस चेयरमेन बनाया जावे और उस राज्य की पुरी कार्यकारिणी बनाई जावे जो फेडरेशन के कार्यों को क्रियान्वित करें।

इस अधिवेशन में इतिहास, समाज के गोत्र, शिक्षा, एवं संविधान में उल्लेखित अनेक विषयों पर चर्चा हुई एवं फेडरेशन की नई कार्यकारिणी के निर्माण का निर्णय लिया गया।

फेडरेशन का पंजीकृत कार्यालय अहमदाबाद में है अत:वहाँ पर नई कार्यकारिणी के निर्माण की प्रक्रिया सम्पन्न हो ऐसा तय किया गया।

श्री देवेन्द्रजी छाप्या ने इस अधिवेशन को सुनियोजित ढ़ंग से आयोजित किया था।

सभी लोगों ने आपके कार्य की भूरि–भूरि प्रंशसा की एवं आपके प्रति अभार व्यक्त किया।

प्रथम कार्यकारिणी – कार्यकाल 2008–2010

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री हसमुख गांधी–इन्दौर

राष्ट्रीय महामंत्री – श्री निरंजन जुवां–अहमदाबाद

श्री हसमुख गांधी के कार्यकाल की प्रथम कार्यकारिणी मिटिंग इन्दौर के गोम्मटगिरी पर आयोजित की गई थी, जिसमें धरियावाद से आदरणीय प्रतिष्ठाचार्य श्री हसमुखलालजी डागरिया जैन, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रथम सत्र उदघाटन सत्र एवं सम्मान सत्र के रूप में आयोजित किया गया था। द्वितीय सत्र में एजेन्डेके अनुसार कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चायें हुई।

सन् 2008 में इन्दौर में आयोजित स्नेह सम्मेलन एवं परिचय सम्मेलन के अवसर पर एक दिन पूर्व फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का राष्ट्रीय सम्मेलन स्थानीय जालसभागृह में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती जयश्री कियावत को आमंत्रित किया गया था। विभिन्न स्थानों से पधारे वक्ताओं ने अपने–अपने विचार इस अधिवेशन में रखे। द्वितीय सत्र में साधारण सभा आयोजित की गई, जिसमें वर्ष भर के कार्यक्रमों की समीक्ष की गई।

सन 2009में प्रतापगढ़ राजस्थान में अधिवेशन रखा गया। इस अधिवेशन का संयोजन प्रतापगढ़ राजस्थान समाज ने किया। मुम्बई, इन्दौर, मन्दसौर, उज्जैन प्रतापढ़ एवं आसपास के अनेक समाज सदस्यों ने इसमे भाग लिया। इस सम्मेलन में महामंत्री

श्री निरंजन जुवां ने अ.भा. महिला संगठन के निर्माण का प्रारूप प्रस्तावित किया था, जो ठंडे बस्तेमें चला गया। मुम्बई से श्री के.एम.शाह साहब विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस तरह श्री हसमुख गांधी की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

द्वितीय कार्यकारिणी–कार्यकाल 2010–2012

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री निरंजन जुवां–अहमदाबाद

राष्ट्रीय महामंत्री – श्री अजीतजी कोठीया, डडूका

अहमदाबाद में श्री निरंजन जुंवा–अहमदाबाद राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त किये गये एवं अजित कोठीया –डडूका को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया। इस कार्यकारिणी का कार्यकाल स्वर्णीम काल कहा जा सकता हैं।

श्री निरंजनजी जुवां ने अपने अथक प्रयास, दूरगामी दृष्टिकोण एवं कुछ कर गुजरने की ललक से संविधान में उल्लेखित सभी कार्य योजनाओं को अम्लीजामा पहनाया।

1.नेत्र दान, एवं रक्तदान को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कर हूमड़ समाज की पहचान अंकित की।

2. इतिहास शोध समिति का सफल संचालन हेतु आपने दाहोद, देरोल, धरियावद में निरंन्तर तीन मिटींगे आयोजित की एवं अरथुना (राजस्थान) में भव्य इतिहास शोध सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें पाँचो प्रोविन्स से शोधकर्त्ताओं ने अपने शोध –पत्र प्रस्तुत किये। जिसमें डूंगरपूर हूमड़ समाज की विकास यात्रा, रत्नत्रय दिवाकर हूमड़ संत (लेखिका– कौशल्या पतंग्या) जैस मुख्य शोध पत्र थे। इन सभी शोध पत्रों को हूमड़ इतिहास के रूप में प्रकाशित किया गया। अरथुना में भरे पड़े पुरातत्व अवशेष पर श्री रविन्द्रजी पंड्या एवं श्री हीरालालजी जैन, कलिंजरा ने विशेष कार्य किया।

3.इसी कार्यकाल में फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की वेबसाईड बनाई गई जिसमें फेडरेशन की गतिविधियों, हूमड़ समाज का इतिहास, फेडरेशन का संवधिान, शिक्षा योजना, रक्तदान योजना, नेत्रदान योजना, चिकित्सा योजना की जानाकरी दी गई।

4.'ई' बुलेटिन प्रारंभ किया गया।

5.एस.एम.एस. सेवायें प्रारंभ की गई, जिसके द्वारा पूरे भारत के हूमड़ो को जोड़ने का सफल प्रयास किया गया।

6.स्टूडेन्ट असेसमेन्ट कार्यक्रम आयोजित किये गये।

7.गर्ल्स इम्प्रुवमेंट कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई गई।

श्री निरंजन जुवां ने अपने कार्यकाल में पुरे भारत का दौरा किया और सभी प्रोविन्स को जोड़ने का सफल प्रयास किया। आपने अपने सद प्रयासों से ''ईडर'' में अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें देश के 1000 के लगभग समाज सदस्य उपस्थित थे ।

2 दिवसीय सम्मेलन बहुत सफल रहा क्यों कि 'ईडर' हूमड़ों का उदगम् स्थल है जहाँ अनेक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धरोहरें आज भी वहाँ मौजूद है, जिसका सभी ने अवलोकन किया। इस अवसर पर शोध पत्र के संकलन का प्रकाशन भी किया गया। आपका सम्पूर्ण प्रयास रहा कि खेड़ ब्रह्मा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाय।

हमारे गोत्रकुंड की बावड़ी वहाँ स्थित है जो बताती है कि हूमड़ो का मूल उदगम स्थान यही है। इसी तरह सफलता पूर्वक कार्य करते हुए 2012 में आपका कार्यकाल समाप्त हुआ।

तृतीय कार्यकारिणी – कार्यकाल 2012–2014

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री महेन्द्र शाह, मुंबई

राष्ट्रीय महामंत्री – श्री संजय गांधी, मनासा

महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई में इस कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें श्री महेन्द्र शाह, मुम्बई को राष्ट्रीय चेयरमेन एवं श्री संजय गांधी –मनासा को राष्ट्रीय महामंत्री सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस कार्यकारिणी की शपथ विधी बरसाना गार्डन, इन्दौर में श्री हसमुखजी गांधी के सौजन्य से समपन्न हुई । इस कार्यकारिणी के कार्यकाल में विद्यार्थियों हेतु होस्टल बनाने के अनेक प्रयास हुये किन्तु कार्य योजन सफल न हो सकी।

2014 में अखिल भारतीय हूमड़ सम्मेलन इन्दापुर (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन पूर्ण रूपेण सफल रहा। श्री डॉ. श्रेणिक शाह ने इस सम्मेलन का आयोजन किया।

भारतीय जैन संगठना के संस्थापक श्री शांतिलालजी मूत्था, श्री चक्रेशजी जैन एवं महाराष्ट्र राज्य के उद्योग मंत्री ने इसमें शिरकत की एवं बदलते परिवेश में समाज उन्नती कैसे करें इस पर सफल विचार विनिमय हुआ। प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. राजमलजी

कोठारी ने अष्टापद की खोज पर अपना प्रजेन्टेशन दिया। इस सम्मेलन की जिम्मेदारी का निर्वहन डॉ. श्रेणिक शहा–इन्दापुर ने किया।

चतुर्थ कार्यकारिणी – कार्यकाल 2014–2016

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री अशोक शाह–उदयपुर

राष्ट्रीय महामंत्री – श्री विपिन गांधी–इन्दौर

इन्दापुर में अशोकजी शाह–उदयपुर को राष्ट्रीय चेयरमेन एवं श्री विपिनजी गांधी–इन्दौर को राष्ट्रीय महामंत्री सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी की शपथ विधी 29 जून 2014 को गुजरात के भरुच शहर में हुई। इस कार्यकारिणी ने सम्पूर्ण भारत की पारिवारिक परिचय पत्रिका समस्त राज्यवार प्रकाशित की। इस कार्यकाल में आजीवन सदस्य बहुत बनाये गये एवं रक्तदान, वृक्षारोपण, गोष्ठियाँ, युवा–यवुती परिचय सम्मेलन, धार्मिक अनुष्ठान आदि गतिविधियाँ अलग–अलग प्रोविंस की ईकाईयों द्वारा सम्पन्न की गई।

श्री अशोकजी शाह ने उदयपुर में अखिल भारतीय हूमड़ सम्मेलन का आयेजन 10 जनवरी 2016 को किया। आपके यहाँ सम्मेलन में लगभग 800 समाज सदस्यों ने भाग लिया।

आपने सभी अतिथियों को पाँच सितारा होटल में ठहराया और भव्य आयोजन किया। राजस्थान सरकार के गृहमंत्री श्री गुलाबचंदजी कटारिया ने इस सम्मेलन में शिरकत की एवं आपने अपने उदबोधन में भावना व्यक्त की ''जैन समाज दिन दूनी रात चौगनी उन्नति अपने संगठनों के माध्यम से करे''।

दो दिवसीय सम्मेलन साधारण सभा के साथ सम्पन्न हुआ। यह सम्मेलन अत्यन्त राजशाही ठाट–बाट के साथ आयोजित किया। सदस्यों ने राजस्थानी व्यंजनों का भूरपूर आनन्द उठाया।

पंचम कार्यकार्णी – कार्यकाल 2016–2018

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री डॉ. श्रेणिक शहा–इन्दापूर

राष्ट्रीय महामंत्री – श्रीमती कौशल्या पतंग्या–इन्दौर

इस कार्यकारिणी का गठन हिम्मतनगर (गुजरात)में हुआ । डॉ. श्रेणिक

शहा–इन्दापूर(महाराष्ट्र) को राष्ट्रीय चेयरमेन एवं श्रीमती कौशल्या पतंग्या–इन्दौर को राष्ट्रीय महामंत्री सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया।

कार्यकारिणी की शपथ विधी दौंड (महाराष्ट्र) में आयोजित की गई। जिसमें गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, आंध्रप्रदेश सभी प्रोविन्स के समाज सदस्य एवं कार्यकारिणी उपस्थित थे।

इस कार्यकारिणी में महिला विंग का गठन किया। यह शाखा मुख्य संस्था फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के निर्देशन में कार्य करेगी ऐसा अध्यक्ष डॉ. श्रेणिक शहा ने बताया। महिला विगं की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया शाह – मुम्बई को बनाया गया।

26 जून 2016 को शपथ विधि सम्पन्न हुई। इस अवसर पर डॉ. जयंत कंरदीकर (कुर्डुवाड़ी) ने संगठन की जरुरत पर अपना व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रेमकुमार भट्टड़ – दौंड ने नेत्रदान, नेत्र सुरक्षा पर अपना प्रजेन्टेशन दिया।

इस कार्यकारिणी ने

1. 1 जुलाई 2016 को फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन देश भर में किया गया।
2. 21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया ।
3. विभिन्न परियोजनाओं की समितियों का निर्माण किया ।
4. वार्षिक केलेन्डर तैयार किया।
5. शिक्षा छात्रवृत्ति हेतु विभिन्न कोर्सेस का चार्ट तै यार कर सभी प्रोविन्स में पहुँचाया।
6. पाँचो प्रोविन्स की कार्यकारिणी की डायरेक्ट्री बना कर सभी प्रोविन्स को प्रदान की।
7. सागवाड़ा में ''नवीन हूमड़ शिक्षण संकुल'' के निर्माण में सहायता हेतु 1 लाख का चेक प्रदान किया।
8. संरक्षक सदस्य एवं संस्थागत सदस्य भी बनाये गये।
9. इस कार्यकारिणी ने मध्यप्रदेश में नेत्र परिक्षण शिविर एवं सिरेजिम शिविर आयोजित किया।

इस कार्याकारिणी ने अपनी साधारण सभा डूंगरपुर (राजस्थान) में आयोजित की।

इस कार्यकाल में अखिल भारतीय सम्मेलन पुना में होना तया हुआ था पर सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अनअपेक्षित खर्चों को देखतेहुए स्थगित कर दिया।

छठी कार्यकारिणी – कार्यकाल 2018–2021

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री दिनेशचन्द्र शाहा–डूंगरपूर

राष्ट्रीय महामंत्री – श्री मिहिर गांधी–अकलुज

इस कार्यकारिणीका गठन उज्जैन (मध्यप्रदेश) में आयोजित मिटींग में हुआ श्री दिनेशचन्द्र शाह–डूंगरपूर (राजस्थान) एवं श्री मिहिर गांधी –अकलुज (महाराष्ट्र) को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया।

1. इस कार्यकारिणी की शपथ विधी बारामती (महाराष्ट्र) में आयोजित हुई।

2. इस कार्यकारिणी की प्रथम मिटींग इन्दौर (मध्यप्रदेश) के ''नखराली ढ़ाणी'' में श्री विपिनजी गांधी के सौजन्य से हुई।

3. द्वितीय मिटींग तारंगाजी (गुजरात) में 10 मार्च 2019 को श्री वसंतकुमारजी दोशी अहमदाबाद के सौजन्य से आयोजित की गई।

इस कार्यकारिणी में म.प्र. प्रोविन्स चेयरमेन कौशल्या पतंग्या के नेतृत्व में

(अ) बी.जे.एस. के डायरेक्टर श्री प्रफुल्लजी पारख द्वार गर्ल्स इम्पावरमेन्ट पर प्रभावी प्रस्तुती दी गई।

(ब) म.प्र. प्रोविन्स – श्री चन्द्रकांत दोशी इन्दौर के सद प्रयासों से 8 विद्यार्थियों को शिक्षा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। राजस्थान प्रोविन्स में निलेशजी सेठ ने बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर आयोजित किये।

4. इस कार्यकारिणी की तीसरी मिटिंग उदयपुर (राजस्थान)में श्री अशोक शाह के सौजन्य सेआयोजित की गई जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

5. इस कार्यकरिणी द्वारा चतुर्थ मिटिंग (साधारण सभा) पुना – महाराष्ट्र में श्री किरणजी शहा एवं रमेशजी वडुजकर के सौजन्य से महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित की गई। पूरे वर्ष का वार्षिक लेखा–जोखा प्रस्तुत किया गया। ऑडीटर की नियुक्ति के रूप में रामलाल शर्मा एंड कं. के श्री चांदमलजी बंडी के नाम की अनुमोदना की गई।

आगामी वर्ष का बजट कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्रजी चापावत –मुम्बई ने प्रस्तुत किया। कौशल्या पतंग्या(राष्ट्रीय छात्रवृत्ति संयोजक) ने छात्रवृत्ति की जानकारी प्रस्तुत की। इस मिटींग में 15 सदस्यीय निर्वाचन समिति का गठन किया गया।

कोविड –19 के कारण समिति ठीक तरह से कार्य नहीं कर पाई। दिनांक 5 जनवरी

2022 को झूम (ऑनलाईन) मिटींग का आयोजन किया गया जिसमें कोषाध्यक्ष द्वारा इस कार्यकारिणी का कार्यकाल 2018–2020 से बढ़ाकर 2021 करने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने सर्वानुमति से स्वीकृत किया।

सातवीं कार्यकारिणी –कार्यकाल 2021–24

राष्ट्रीय चेयरमेन– श्री वसंतकुमार दोशी–अहमदाबाद

राष्ट्रीय महामंत्री – श्री अजीत कोठीया–डडूका

प्रथम मिटींग झूम (ऑनलाईन) जो 5 जनवरी 2022 को आयोजित की गई उसमें श्री वसंतकुमार दोशी–अहमदाबाद राष्ट्रीय चेयरमेन एवं श्री अजीत कोठीया–डडूका (राजस्थान) को राष्ट्रीय महामंत्री सर्व सम्मती से नियुक्त किया गया।

झूम (ऑनलाईन) मिटींग में पाँचो प्रोविन्स के कार्यकारिणी सदस्यों का मनोनयन नवीन चेयरमेन द्वार किया गया एवं पाँचो प्रोवन्सि के अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। इस मिटींग में सभी योजनाओं के बारे में सभी सदस्यों ने विचार रखे एवं योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु जोर दिया, जिससे फेडरेशन के उद्देश्य पूर्ण हो सके।

श्री निरंजन जुवां ने अल्पसंख्यको को लाभ देने वाली विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक हूमड़जन तक पहुँचाने हेतु कार्यशालाओं के आयोजन करने का सुझाव दिया। कोविड–19 के लंबे अंतराल के बद 01 मई 2022 को दाहोद (गुजरात) में नवीन सातवीं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह श्रीमंधर स्वामी मदिंर, दाहोद में समपन्न हुआ। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारियों को शपथ श्री निरंजनकुमारजी जुवां ने दिलवाई। कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ श्री डॉ. श्रेणिकजी शहा ने दिलवाई। सभी पाँचो प्रोवन्सि की नयी टीम को शपथ क्रमश: श्री अशोककुमारजी शाह, श्रीमती कौशल्याजी पतंग्या, श्री दिनेशजी शाह, श्री कालीदासजी गांधी एवं श्री विपिनजी गांधी ने दिलवाई । नवीन अध्यक्ष श्री वसंतकुमारजी दोशी ने हूमड़ समाज परिकल्पना पर उदबोधन दिया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में सुन्दर गुजराती नृत्य की प्रस्तुती दी।

शपथ ग्रहण के पश्चात् प्रथम कार्यकारिणी मिटींग दोपहर 2.15 बजे से आयोजित गयी। प्रारंभ में अध्यक्ष श्री वसंतकुमारजी दोशी, महामंत्री श्री अजीततजी कोठिया, एवं कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्रकुमारजी चांपावत ने सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाजजनों का शब्दो से स्वागत किया। कोरोना काल के लम्बे अंतराल के बाद सभी का उत्साह देखते ही बनता था। सभा आयोजक संस्था 'गुजराती दिगम्बर जैन समाज के

प्रमुख श्री कालीदासजी गांधी ने सभी सदस्यों का स्वागत, शब्द सुमनो द्वारा किया। महामंत्री श्री अजीत कोठिया ने 29 सितम्बर 2021 बुधवार को सम्पन्न झूम मिटिंग की कार्यवाही का वाचन किया। कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्रकुमार चांपावन ने वित्तिय वर्ष 2021–22 के आय–व्यय का लेखा जोखा(अन ऑडीटेड) प्रस्तुत किया।

सदस्यों ने सर्व सम्मति से पारित किया 1 इस बैठक में एक Resolution निम्नानुसार पारित किया गया : Resolved that out of the income of the trust for the year ended of 31 st Mar. 2022 an amount of Rs. 43,000/- Should be a Accumulated or set apart till the previous years ending 31.3.2027 in order to enable the trustees to accumulate sufficient funds for carrying out the following purpose of the trust.

1. For any type of grant for educational purpose and /or the construction of any type of educational institution /facility.

2. For purchase of medical equipment, grant aid for any major surgical operation/treatment or for consult ruction of any medical /educational Institutions

3. For repairs of any religion property of the trust as per its object .

आयकर एक्ट के प्रावधना अनुसार यह राशि 43,000/– संघ सेक्शन (5) सेक्शन II के प्रावधान के तह खर्च की जा सकेगी। सर्व सम्मती से आयकर प्रावधानों की अनुपालना में उक्त प्रस्ताव पारित एवं अनुमोदित किया गया। कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र चापावत ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए ऑडिटर नियुक्ती के लिए मे.अतुल सालगिया एण्ड कम्पनी के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इन्टरनल ऑडिट के लिए श्री जितेन्द्रजी वगेरिया के नाम का प्रस्ताव रखा।

कोविड के मद्देनजर 5 जनवरी 2020 के बाद दो वर्षो तक साधारण सभा का आयोजन नही हो पाया। आज के एजेन्डा के तहत अगली वार्षिक आमसभा जिसे सितम्बर–अक्टूबर तक आयोजित किया जाना है के आयोजन स्थल एवं प्रायोजक के लिए महामंत्री श्री अजीत कोठिया ने सभी से सुझाव मांगे। सदन ने आपसी मंत्रणा के बाद बड़ौदा में श्री राकेश भरतकुमार जैन के प्रायोजन में एसी बैठक करना संभव हो सकता है यह बात सुझायी।

मंत्री ने कहा सभी से चर्चा कर शीघ्र ही स्थान एवं प्रायोजक तय करेगें। म.प्र. प्रोविन्स चेयरमेन श्रीमती कौशल्या पतंग्या ने वार्षिक शुल्क वसूली के लिए गहन सम्पर्क हेतु जोर दिया एवं उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति पर एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखने की आवश्यक्ता बतायी। एजेन्डा के अगले विषय पर चर्चा कर तय किया गया की फेडरेशन के अलग–अलग व्हाट्सएप ग्रुपों का विलय कर मात्र दो व्हाट्सएप ग्रुप ही आस्तित्व में रहे 1. राष्ट्रीय कार्यकारिणी का 2. सभी सदस्यों का ग्रुप में फेडरेशन से संबधित

सूचनाओं का ही आदान –प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया।

द्वितीय मिटींग वडोदरा(गुजरात) में साधारण सभा के रूप में आयोजित की गई।

वडोदरा के श्री सुदीपजी जैन के सौजन्य से 2 अक्टूबर 2022 को प्रात: 10 बजे सन्मति पार्क, सर्वमंगल स्कूल सामा सावली रोड़, वेमाली–वडोदरा में आयोजित की गई। सभा पूर्व हूमड़ गीत श्री विपिन गांधी –इन्दौर ने प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजीत कोठिया ने 2020 में आयोजित साधारण सभा की कार्यवाही का वाचन किया। उपस्थित सदस्यों ने सर्वानुमति से पास किया।

आपने 2019–20,2020–2021, 2021–2022 के वार्षिक प्रतिवेदन पारित करवाये।

कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्रजी चापावत–मुम्बई ने 31 मार्च 2022 को पूर्ण हुये वित्त वर्ष का स्थिति विवरण प्रस्तुत किया एवं अनुमानित आय–व्यय पत्रक प्रस्तुत किया। समस्त उपस्थित सदस्यों ने सर्वानुमति से उसे स्वीकृत किया। वित्त वर्ष 2022–2023 हेतु अंकेक्षक के लिये मे. अतुल सालगिया एण्ड कम्पनी के नाम का प्रस्ताव रखा एवं इन्टरनल ऑडिट के लिये श्री जितेन्द्रजी वगेरिया –अहमदाबाद के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकृत किया गया। अध्यक्ष श्री वसंतजी दोशी ने आयोजकों का स्वागत श्रीफल–शॉल से किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध शाकाहार प्रचारक डॉ. कल्याणमलजी गंगवाल ने गौरक्षा, जीवदया एवं शाकाहार पर प्रभावी उद्बबोधन दिया। सभा में ''हूमड़ गौरव'' पुस्तक जो इन्दौर के श्री हसमुखजी गांधी के प्रयासो से प्रकाशित की गई उसका विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वसंतजी दोशी एवं सम्पूर्ण कार्यकारिणी ने किया।

श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर की ''पारिवारिक विवरणिका'' एवं ''मध्यप्रदेश की ''पारिवारिक विवरणिका'' का वितरण सभी फेडरेशन के सदस्यों को इन्दौर समाज की अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या पतंग्या एवं मंत्री श्री रजनीकान्त गांधी ने किया।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति संयोजक श्रीमती कौशल्या पतंग्या ने छात्रवृत्ति विवरण की सम्पूर्ण जानकारी सदन को दी। यह कार्य बहुत सुचारू रूप से क्रियान्वित हो रहा है, इस बात की सभी ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि अध्यक्ष–मंत्री टीम बनाकर हर प्रोविंस का दौरा कर समाजजनों को फेडरेशन के बारे में जागरूक करें।

प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. राजमलजी कोठारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संस्थागत सदस्यों की फीस समय पर जमा हो उसे रेखाकिंत किया।

मंत्री श्री अजीत कोठिया ने गुजरात से श्री राकेशजी एवं श्री भरतजी आजीवन सदस्य बने उनका सम्मान किया। धन्यवाद के साथ सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

तृतीय मिटींग इन्दौर (मध्य प्रदेश) में श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर के सौजन्य से 23 दिसम्बर 2023, शनिवार को शुभकारज परिसर में आयोजित की गई।

इन्दौर हूमड़ समाज द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम परिचय सम्मेलन एवं स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें फेडरेशन के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं सम्पूर्ण कार्यकारिणी को आमंत्रित किया गया था। राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात एवं मध्यप्रदेश सभी जगह के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

दोपहर 3 बजे फेडरेशन की मिटिंग आयोजित की गई। श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर की अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या पतंग्या ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत माला,श्रीफल एवं शॉल से किया। सभी सदस्यों ने सामुहिक मंगलाचरण किया। सभा प्रारंभ की घोषणा अध्यक्ष श्री वसंतकुमार दोशी ने की।

श्री अजीतजी कोठिया ने पूर्व सभा की कार्यवाही का वाचन किया सबने करतल ध्वनी से अनुमोदना की। श्री अजीतजी कोठिया ने जिन –जिन प्रान्तों का दौरा किया उसकी जानकारी सदन में दी। आपने विभिन्न योजनाओं के तहत किये गये सेवा कार्यो का ब्योरा प्रस्तुत किया।

श्री सुरेन्द्रजी चापावत (कोषाध्यक्ष) ने वित्त संबंधी टेकनीकल व्यवधानों का जिक्र किया एवं उनके निराकरण भी प्रस्तुत किये।

श्रीमती कौशल्या पतंग्या ने शिक्षा छात्रवृत्ति कोष में धन संचय की जरूरत पर जोर दिया तो उपस्थित सदस्यों ने एक –एक विद्यार्थी हेतु रू. 20 हजार की राशि देने की घोषणा की। नेत्रदान को अपना प्रमुख प्रकल्प बनाने पर जोर देते हुये राष्ट्रीय नेत्रदान संयोजक श्री महेन्द्रजी बंडी को बनाया गया।

श्री सुरेन्द्रजी चापावत ने कहा कि फेडरेशन कार्यकारिणी सदस्य संस्था में एक हजार रू. प्रतिवर्ष जमा करें इससे फंड में भी वृद्धि होगी, हर सदस्य अपनी जिम्मेदारी भी तय करेगा। संस्थाओं की फीस सभी प्रोविंस समय पर दे यह भी विचार रखा गया।

श्री महेन्द्रजी बंडी ने अंत में आभार माना । सभा की कार्यवाही समाप्त हुई।

वर्ष 2021–24 के कार्यकाल में आयोजित कार्यक्रम :–

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ प्रोविंस :

1. उज्जैन में श्रीमती मधु कोठारी द्वारा स्वास्थ्य शिविर, महिला दिवस, जरूरतमंद परिवारों को वस्त्र,कम्बल एवं खाद्य सामग्री का वितरण कार्य का आयोजन।

2. श्री सुनीलजी दोशी ने महावीर इन्टरनेशनल के संयुक्त तत्वाधान में नेत्र परिक्षण शिविर, रक्तदान शिविर आयोजित किये।

3. श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर के संयुक्त तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन।

महाराष्ट्र एवं गोवा प्रोविंस :

1. श्री मिहिर गांधी के नेतृत्व में गंभीर बिमारी से पिड़ित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

2. पर्यावरण बचाओं एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

3. गौरक्षा हेतु गोशालाओं में आर्थिक योगदान एवं धार्मिक यात्राओं का आयोजन।

राजस्थान, हरियाणा,दिल्ली, पंजाब एवं चड़ीगढ़ प्रोविंस :

श्री अजीत कोठीया ने महावीर इन्टरनेशन के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थय शिविर, रक्दान शिविर एव पर्यावरण एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रमों का आयोजन किया।

विशेष : फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज वर्ष 2021–2024 में

1. फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की वेबसाईड के नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर है।

2. फेडरेशन के अलग – अलग व्हाट्सएप ग्रुपों का विलय कर मात्र दो व्हाट्सएप ग्रुप ही आस्तित्व में रहे ऐसा प्रस्ताव रखा। जिसमें पहला ग्रुप राष्ट्रीय कार्यकारिणी का एवं दूसरा ग्रुप सभी सदस्यों का जिसमें फेडरेशन से संबधित सूचनाओं का ही आदान – प्रदान किया जा सके।

3.फेडरेशन का एप भी तैयार हैं।

आप इससे जुड़कर संपूर्ण गतिविधियों से परिचीत हो सकते है। आपके सुझाव आमंत्रित है।

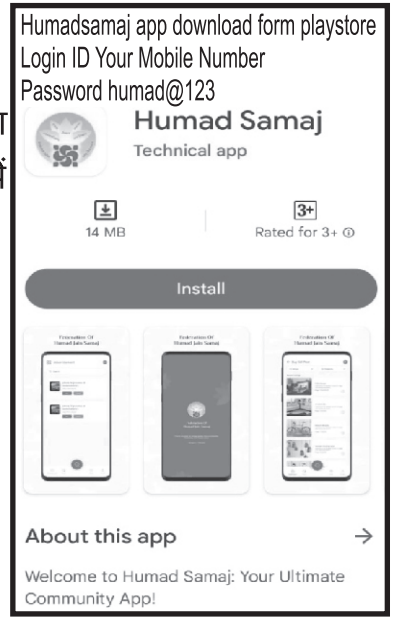

फेडरेशन को जिन्होने नेतृत्व दिया

श्री देवेन्द्रजी छाप्या – वर्ष 2006 से 2008

(निंव के अटूट स्तम्भ)

श्री गणेशीलालजी छाप्या के ज्येष्ठ पुत्र श्री देवेन्द्रजी छाप्या मूल रूप से राजस्थान के उदयपुर शहर के निवासी हैं । आपका जन्म 5 जून 1945 को उदयपुर में हुआ। आपके ग्रेज्युएशन के साथ –साथ एल.एल.बी. भी किया है।

आप उदयपुर समाज के ''सेठ'' के रूप में जाने जाते हैं। अत: समाज के प्रमुख हैं। व्यवसाय के रूप में आपने लंबे समय तक दवा व्यवसाय किया।

आपका जीवन सदैव सेवा को समर्पित रहा हैं। आप लम्बे समय तक मुनि सेवा समिति के अध्यक्ष पद पर रहे। साधु संघ की वैयावृत्ति की और साधु संघो के चातुर्मास की सर्वोत्तम व्यवस्था की।

आप ऋषभदेव (केशरियाजी) गुरूकुल में प्रबंध समिति के सदस्य रहे हैं और समय–समय पर अपने सुझावों द्वारा क्षेत्र को अधिकाधिक सुविधा सम्पन्न कराने में अपना योगदान देते रहे हैं।

आप दिगम्बर जैन कन्या पाठशाला में विगत कई समय से अपनी सक्रिय सेवायें दे रहे हैं। आपके मार्गदर्शन में विद्यालय नित नये आयाम स्थापित कर रहा है।

आपके प्रयास से शीघ्र ही समाज का इंग्लिश मीडियम स्कूल भी शुरू होने वाला है। आपने ''प्रगति –आश्रम'' में भी अपनी सेवायें प्रदान की हैं।

आपके अनवरत प्रयास से समाज का सामुदायिक भवन भी खड़ा हुआ है। आप नि:स्वार्थ भाव से लगातार समाज के लिये समर्पित रहे हैं ।

आप राष्ट्रीय संस्था ''फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज'' के एडहोक कमेटी बनी तब प्रथम संस्थापक अध्यक्ष नियुक्त किये गये थे।

आप कर्मठ समाज सेवी धार्मिक एवं लगनशील स्वाध्यायी है। आपके पुत्र अमित छाप्या लंदन में फार्मासिस्ट हैं

आपकी पुत्री श्रीमती आरती जैन सीनियर सेकंडरी स्कूल में प्राचार्य है।

श्री हसमुखजी जैन गांधी – वर्ष 2008 से 2010

(जैन युवा रत्न)

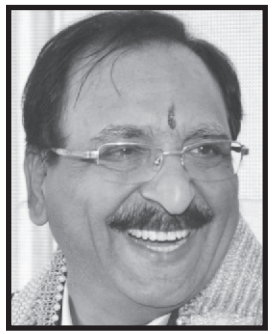

श्री सोहनलालजी गांधी के ज्येष्ठ पुत्र श्री हसमुखजी गांधी का जन्म स्थान राजस्थान कलिंजरा है। आपकी कर्म भूमि इन्दौर मध्यप्रदेश है। आपने विभिन्न सामाजिक, व्यवसायिक व धार्मिक संस्थाओं में विभिन्न पदों पर सुशोभीत रहे।

अध्यक्ष	– कोल्ड चेन इण्डस्ट्री एसोसिएशन –म.प्र. ,
अध्यक्ष	– इन्दौर जिला उर्वरक संघ
राष्ट्रीय अध्यक्ष	– दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के वर्ष 2017–18
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	– फेडरेशन ऑफ कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	– श्री भारतवर्षी य दिगम्बर जैन श्रुत सवंर्धिनी महासभा
पूर्व मंत्री	– श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर
मंत्री	– शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर ट्रस्ट, शिखरजी
मंत्री	–दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरि–ऊन
सम्पादक	– दिगम्बर जैन तीर्थ निर्देशिका (90,000 प्रतियाँ प्रकाशित)
सरंक्षक	–अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद
	भगवान बाहुबली महामस्ताभिषेक महोत्सव –2018
ट्रस्टी आजीवन	– दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बावनगजा
महास्तकाभिषेक	– मांगीतुंगी– अध्यक्ष– म.प्र. छ.ग. – 2016
	–श्रवगणबेलगोला – अध्यक्ष –म.प्र. 2008
	–बावनगजा मुख्य संयोजक –2008
	– जम्बूद्वीप हस्तिनापुर – अध्यक्ष–म.प्र. 2004
मुख्य संयोजक	– राष्ट्रीय जैन युवा सम्मेलन , श्रवणबेलगोला –2017
	–राष्ट्रीय जैन युवा सम्मेलन, जहाजपुर–2020
सह संयोजक	–भगवान बाहुबली महामस्तकाभिषेक 2018 कलश एवं आवास समिति
जैन युवा रत्न	– चारूकीर्ति भट्टार क महास्वामी, श्रवणबेलागोला द्वारा
संयोजक –	–अनेक चातुर्मास, पंचकल्याणक, विधान, महामस्तकाभिषेक, सम्मेलन
पदाधिकारी	– जीतो, केट, आर जे एम ओ, लायंस क्लब, महासभा, तीर्थ क्षेत्र कमेटी, तुकोगंज, समाज
व्यवसाय–उद्योगपति	– गांधी फर्टिलाइजर्स प्रा. लि., गांधी कोल्ड स्टोरेज
	(भूमि निर्माण अवार्ड – सर्वश्रेष्ठ कोल्ड स्टोरेज –2010)
	–इन्दौर फर्टिलाइजर्स (अनेक अवार्डस वर्ष 1986 से आज तक)

पुत्र–अर्पित(एम.बी.ए.) पुत्र वधु –अक्षिता (एम.सी.ए.) पौत्र – दक्ष (अध्ययनरत)

पुत्री–नेहा (सी.ए.) पत्नी– उर्मिला (गृहणी)

श्री निरंजनजी जुवाँ – वर्ष 20010 से 2012

69 वर्षीय श्री निरंजनकुमारजी जुवाँ,अहमदाबाद,सामाजिक विषयों पर गहरा चिंतन करते हैं। आपने एम.ए. (समाज शास्त्र) में की है। भारतीय जैन संघटना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य हैं । भारतीय जैन संगठन, पुणे द्वारा स्थापित ''माईनोरिटी सेन्टर'' के प्रभारी व समन्वयक हैं व सम्पूर्ण देश में चलाये जा रहे ''अल्पसंख्य लाभ जनजागृति अभियान'' के आप राष्ट्रीय संयोजक तथा ''भारतीय जैन संगठन समाचार'' हिंदी मासिक पत्रिका के कार्यकारी सम्पादक हैं । विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षणार्थी तैयार करने, प्रशिक्षण कार्यक्रम का निर्माण करने व इस विषय पर पुस्तकें प्रकाशन आदि उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं । आप भारतीय जैन संगठन, पुणे के ''युगल सशक्तिकरण–सुखी परिवार एवं सुखी घर के लिये '' चलाये जा रहे कार्यक्रम से गत अनेक वर्षों से जुडे हुए हैं । जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता करने की विविध योजनाओं का आप संचालन कर रहे हैं।

अल्पसंख्यक अधिनियम के तहत जैन समाज को होने वाले लाभों व केन्द्र सरकार की विभिन्न योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के तरीकों की विवेचना करना व इस विषय पर अनुसंधानरत् रहना आपके दैनिक क्रम का हिस्सा है। आप सामाजिक चिंतक हैं अत: देश के सम्पूर्ण जैन समाज की दशा एवं दिशा का अवलोकन, अध्ययन सर्वेक्षण एवं परिस्थिति का आंकलन आपकी दैनिकचर्या का हिस्सा है। जैन समाजी की सामायिक परिस्थितियों से देश के समस्त समाजजन को आगे करने व समाज विकास एवं उत्थान की राष्ट्रव्यापी कार्य योजना बनाने की आवश्यकता पर जनजागृति अभियान चलाना चाहते है। सरकारी योजना एम.एस.एम.इ, पर भी आप राज्यवार सुविधाओं के बारे में विस्तार से समझाते हैं। आप वर्ष 2006 से 2008 तक हूमड़ समाज प्रगती संघ, अहमदाबाद के अध्यक्ष रहे।

आप फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के संस्थापक एवं ट्रस्टी हैं । इस संस्था को प्रारंभ करने में आपका सर्वाधिक योगदान रहा व आपने देश के हूमड़ समाज को समन्वयित करने का सफल प्रयास किया। वर्ष 2007 में इस संस्था के कार्यकरी सचिव नियुक्त हुए तत्पश्चात् महामंत्री के रूप में वर्ष 2008–10 में सेवाएँ प्रदान की। वर्ष 2010–12 में आप राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। आपके नेतृत्व में आयोजित खेड़ब्रह्मा के सफलतम अधिवेशन ने आपकी लिडरशीप स्कील अधिक मुखरित हुई व सशक्त राष्ट्रीय नेतृत्वकार के रूप में आपकी छवि बनी, जिसे समाज ने भी महसूस किया। आपने हूमड़ समाज के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों हेतु उच्च शिक्षा छात्रवृत्ती योजना प्रारंभ की व 10 वर्षों तक व्यक्तिगत रूचि के साथ इस योजना का संचालन किया। आपने अनेक वर्षों तक ऑनलाईन हूमड़ पत्रिका का प्रकाशन किया, जिसे समाज की तरफ से सराहना प्राप्त हुई।

आपके स्वर्णिम काल के लिये बहुत–बहुत बधाई!

श्री महेन्द्रजी शाह – वर्ष 2012 से 2014

श्री महेन्द्रजी शाह का जन्म 27 सितम्बर 1956 को प्रतापगढ़ (राजस्थान) में हुआ।

आपकी मातुश्री श्रीमती सरलाजी शाह, प्रतापगढ़ निवासी श्रीमान राजमलजी मास्टर(पाड़लिया) साहब की पुत्री थी।

महेन्द्रजी के दादाजी श्रीमान रामलालजी मास्ट साहब स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे।

महेन्द्र भाई ने बी.कॉम तक शिक्षा रतलाम में प्राप्त की तत्पश्चात् आप मुम्बई गये वहाँ अपनी पढ़ाई आगे जारी रखी तथा साथ में नौकरी भी करते रहे।

सन 1986 में अपना स्वयं का व्यापार प्रारंभ किया।

समाज सेवा तो आपको विरासत में प्राप्त हुई है। आप प्रतापगढ़ राजस्थान वेलफेयर समिति मुम्बई से जुड़े और कई वर्षों से उसके संयोजक है।

आपने प्रतापगढ़ जैन युवा मंच की स्थापना की और इस संस्था में संस्थापक मंत्री एवं अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

श्री हूमड़ जैन समाज मुम्बई में दो बार अध्यक्ष एवं मंत्री के प द को सुशोभित किया।

आपने अध्यक्षीय कार्यकाल में फेडरेशन की स्थापना के सम्बन्ध में विचार –विमर्श हेतु विशाला सभा का आयोजन किया।

आप फेडरेशन के संस्थापक सदस्य एवं वर्ष 2012 से 2014 तक फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। अभी भी फेडरेशन की कार्यकारिणी में सदस्य है।

आप नन्दीश्वर द्वीप मंदिर, बोरिवली,मुम्बई के ट्रस्टी एवं महामंत्री है।

चारकोप कांदिवली महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के ट्रस्टी एवं चेयरमेन है।

बोरीवली, मुम्बई के अतिशय क्षेत्र पोदनपुर, त्रिमुर्ती के ट्रस्टी एवं महामंत्री है।

साथ ही आप अन्य कई सामाजिक, धार्मिक व व्यवसायिक संस्थाओं में कार्यरत है।

आपके यशस्वी कार्यकाल की बुहत–बहुत बधाई।

श्री अशोककुमारजी शाह – वर्ष 2014 से 2016

श्रेष्ठी अशोकुमारजी शाह का जन्म 1 जून 1954 को जैनाचार्य श्री शांतिसागरजी की जन्म स्थली छाणी गाँव, उदयपुर के प्राथमिक शाला के अध्यापक पिता श्री भोगीलालजी शाह के परिवार में हुआ ।आपका प्रारंभिक जीवन संघर्ष भरा रहा पर परिवार के धार्मिक संस्कारों ने आपके जीवन को निष्कलंक बनाये रखा । पारिवारिक संस्कारों के कारण ही आप सामाजिक एवं धार्मिक दायित्वों का निर्वहन करने में अपनी कला का अच्छा परियच देकर तन–मन–धन से समर्पित जीवन शैली का हिस्सा बन गये।

पारिवारिक जिम्मेदारी को समझते हुये आपने 19 वर्ष की अल्प आयु में डूंगरपूर में गारमेन्ट्स का व्यवसाय प्रारंभ किया तथा अपने भाइयों को व्यवसाय में लगाकर वर्ष 1990 में ''कुवेत'' चले गये। विदेश में अपने व्यवसाय को नई ऊँचाइयाँ देते हुये स्वजनों और मित्रों को भी रोजगार में लगाया। वर्ष 1998 में उदयपुर में ''राजमन्दिर ट्रेवल्स'' की नींव रखी। राजमन्दिर के बाद मुम्बई में एस.एस. डेवलपर्स की स्थापना की और बच्चों को इसका कार्यभार सौंपा। इस तरह राजमन्दिर परिवार को नई ऊँचाईयाँ प्रदान की।

उदयपुर में अनेक सामाजिक, धार्मिक तथा व्यवसायिक संगठनों के विभिन्न पदों पर रह कर उनक सफल निर्वहन किया। दिगम्बर जैन दशा हूमड़ समाज, उदयपुर के अध्यक्ष, आशा एसोशियेसन, लॉयन्स कल्ब, आचार्य विनम्रसागरजी वर्षा योग समिति 2009, मुनि तरूण सागरजी वर्षा योग समिति 2011 आचार्य प्रसन्नसागरजी महाराज वर्षा येाग समिति 2013 के अध्यक्ष पद पर रहे और अपनी कार्यकुशलता का परियच दिया।

वर्ष2014 से 2016 तक आप फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के अध्यक्ष रहे । इस कार्यकाल में पुरे भारत के हूमड़ समाज की पारिवारिक विवरणिका का प्रकाशन किया। उदयपुर में 10 जनवरी 2016 को शानदार सफल सम्मेलन आपने आयोजित किया।

आप मार्च 2023 में दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद में नियुक्त किये गये। वर्ष 2014 में आप दिगम्बर जैन समाज उदयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर रहे।

संतो का चातुर्मास करवाना, समाज में विषमता को दूर करना, युवक –युवती परिचय सम्मेलन आयोजित करवाना, संस्कार शिविर आयोजित करवाना, समाज के कमजोर लोगों को शिक्षा सहायता देना, स्वास्थ्य संबंधी शिविर लगवाना जैसे सेवा कार्य आप निरन्तर करते रहेते है। हम आपके उज्जवल दिर्घायु जीवन की कामना करते है।

डॉ. श्रेणिकजी शहा – वर्ष 2016–2018

बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी डॉ. श्रेणिकजी शहा ने एम.बी.बी.एस. एवं एम.एस. की डीग्री हासिल कर रखी है। आप इन्दापुर जिला – पुणे, महाराष्ट्र में जनरल सर्जन है। जैसे भगवान महावीर का 'जीओ और जिने दो का संदेश' है वैसे ही भाऊराव पाटिल का मूल संदेश ''स्वालम्बी शिक्षण'' आपका आदर्श वाक्य है। इसी आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर आपने सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया। बचपन में पारिवारिक पस्थितियाँ अनुकल नहीं थी पर पिताजी शरदजी शहा जिन्हें लोग शरद गुरूजी या शहा सर के नाम से जानेते थे एवं मातुश्री नीला शहा के गुणवतापूर्ण संस्कारो से परिपोषित होते हुये प्राथमिक, माध्यमिक, महाविद्यालयिन एवं वैद्यकिय शिक्षा प्राप्त कर इन्दापुर ''सुश्रुत'' हॉस्पिटल की स्थापना की। ''रूग्ण देवो भव'' की भावना से मरीजो का इलाज किया एवं सेवा भावना से ही प्रेरित होकर शल्य चिकित्सा प्रारंभ की। यह वैद्यकीय शल्य चिकित्सा केन्द्र उस जिले में प्रथम था अत: इसे अच्छा प्रतिसाद मिला। आपने अपने हॉस्पिटल के माध्यम से 'एड्स' सम्बन्धी जन जाग्रति शिविर आयोजित किये, विशेषकर पुणे और सोलापुर में बहुत काम किया । करोना काल में ''कर्मवीर'' बनकर हजारों मरीजों की सेवा की और उनको जीवनदान दिया । इस हेतु आपको सम्मानित भी किया गया।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीताजी कुशल गृहणी हैं । आपका पुत्र डॉ. सुश्रुत एम.बी.बी.एस., एम.बी.ए.,(हेल्थ केयर) डिप्लोमा इन मेडिको, लीगल लॉ, एम.ए. रजनीतिशास्त्र है। बिटिया डॉ सुष्मिता एम.डी.एस. (पेडीट्रीक) है। आपके छोटे पुत्र दर्शन ने '' इन्टरनेशनल लॉ'' की पढ़ाई कर रखी है। डॉ. श्रेणिक शहा की झोली अनेक उपलब्धियों से भरी हुई है –1. लायंस क्लब ऑफ इन्दापुर की स्थापना 2. संस्थापक सदस्य इंडियन मेडिकल एसोसिशएसन 3. महाराष्ट्र तालुका समादेशन होमगार्ड पोलिस 4. राष्ट्रीय अध्यक्ष फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज 5. फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज महाराष्ट्र प्रोविन्स चेयरमेन 6. महाराष्ट्र (पुणे) जिलाध्यक्ष – भारतीय जैन संगठना 7. तालुका समन्वयक, पुणे जिला ग्राहक पंचायत 8. अखिल भारती नाट्य परिषद सदस्य 9. सदस्य अखिल भारतीय मानवाधिकार आयोजक 10. अध्यक्ष– आरोग्य संदेश बहु सामाजिक प्रतिष्ठान 11. ट्रस्टी संजीवनी सोशल फाउंडेन, इंदापुर 12. अध्यक्ष –समाज भूषण शरदकुमार माणिकचंद शहा चेरिटेबल ट्रस्ट 13. पार्टनर–ओम एसोशियेसन, सदगुरू एसोशियेसन, क्लपतरी, रियल स्टेट डव्हलपर्स 14. मार्गदर्शक–सवाई हॉस्पिटल प्रा.लि. 15. चेयरमेन –सुश्रुत हॉस्पिट्ल, इंदापुर 16. वैद्यकीय अधीक्षक –उपजिला रूग्णालय अकलूज/नातेपुते मालशिरस। **पुरस्कारो से सम्मानित :** अ. विशेष आदर्श कार्य गौरव पुरस्कार– नटराज कला क्रिडा प्रतिष्ठान पुणे –2005 ब.लायन्स क्लब अर्न्तराष्ट्रीय कार्य गौरव पुरस्कार 2014 स. समाज भूषण पुरस्कार 2007 द. समाज गौरव पुरस्कार–श्री सन्मती सेवादल– अकलुज 2014 इ. हूमड़ रत्न 2015 ई. सम्मान चिन्ह–जैन अल्पसंख्यक अधिवेशन 2016 उ. समाज गौरव पुरस्कार–तिजाऊ प्रतिष्ठान ऊ. कोविड योद्धा पुरस्कार 2020। आपका सेवा बेलेन्स अनेक ख्यातियों से भरा है। आपको बधाई ....

दिनेशचन्द्रजी शाह – वर्ष 2018–2020

राजस्थान के छाणी में श्री भोगीलालजी शाह के यहाँ दिनांक 4 अप्रेल 1962 में श्री दिनेशचन्द्रजी शाह का जन्म हुआ।

1983 में आपने धरियावाद में एस. बी. बी. जे . ज्वाईन किया 1987 से 2017 तक आपने डूंगरपूर में स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर में अपनी सेवायें दी।

2017 में ही आपने वोलीन्टरी रिटायरमेन्ट लिया।

सर्विस के दौरान ही आपने बजाज का शो रूम 1995 में सब डलीर के रूप में प्रारंभ किया। 2004 में मेन डीलर के रूप में कार्य शुरू किया जो निरंतर ऊँचाईयों को प्राप्त हुआ।

महावीर इन्टर नेशनल डूंगरपूर के आप सन् 2000 से सदस्य हैं ।

महावीरनगर साधु संघ समिति के सचिव एवं उपाध्यक्ष भी रहे, तत्पश्चात् आप इस समिति के अध्यक्ष नियुक्त किये गये।

दशा हूमड़ जैन समाज डूंगरपूर के आप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर रहे।

वर्तमान में आप संरक्षक है।

दिनेशजी धार्मिक प्रवृति के हैं आपने 15 बार 5 उपवास की साधना मौन रहकर की।

10 उपवास की साधन दो बार एवं 15 उपवास निर्जला मौन से किये।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के 2018 से 2020 तक अध्यक्ष रहे।

समाज सेवा आपका मुख्य शगल रहा है।

आप 25 वर्षों से डूंगरपूर मन्दिर में सेवा पूजा करते हैं।

आपका पुत्र अहमदाबाद में प्रॉपर्टी का कार्य करता है।

पुत्री पुणे में फर्नीचर का व्यवसाय करती है।

परम साधुभक्त दिनेशजी सदैव साधु संतो की सेवा के लिये तत्पर रहते हैं।

आपके यशस्वी कार्यकाल की बुहत–बहुत बधाई।

श्री वसंत कुमारजी दोशी – वर्ष 2021– 2024

श्री वसतजी दोशी मूल रूप से गुजरात इडर के निवासी है। वर्तमान में गुजरात की औद्योगिक नगरी अहमदाबाद में निवास करते है। आपने बी.कॉम., एल.एल.बी., की डिग्री हासिल कर कर्म क्षेत्र में प्रवेश किया।

आप 1986 से 2003 तक पीथमपुर – इन्दौर मेन्यूफेक्चरिंग ऑफ स्टीम बॉयलर, प्रेशल वेशल्स और हेवी फेब्रीकेशन में कार्यरत रहे। सन 2004 में ''वर्द्धमान इन्सूलेशन इंजीनीयर'' अहमदाबाद फर्म की स्थापना की। इसकी फेक्ट्री और ऑफीस दोनों अहमदाबाद में है। आप इस फर्म के मालिक हैं। गर्म और ठंडा इन्सूलेशन के सप्लायर एण्ड कान्ट्रेक्टर हैं । पी यू एफ, पी आई आर इन्सूलेशन मटेरियल का निर्माण करते हैं ।आपने वर्ष 2012 में पाइप लाईन फ्रेब्रीकेशन वर्क फेक्ट्री चनगोदर जिला–अहमदाबाद में 'वर्धमान इन्सुलेशन लिमिटेड' स्थापित की जो पूर्ण क्षमता के साथ काम कर रही है।

सामाजिक क्षेत्र में आपका योगदान सराहनीय है। फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के आप सर्वानुमति से 2021 से 2024 के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किये गये। 2006 से 2014 तक आप हूमड़ जैन समाज प्रगति संघ अहमदाबाद के कार्यकारिणी सदस्य रहे। 2021 से 2016 तक '' भारत दिगम्बर जैन तीर्थ रक्षा समिति'' गुजरात के सदस्य रहे। 2014 से 2016 तक '' हूमड़ जैन समाज प्रगति संघ अहमदाबाद के अध्यक्ष रहे। 2012 से 2018 तक फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के कार्यकारिणी सदस्य रहे। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑरगनाईजेशन के आजीवन सदस्य है। 2018 से आज तक बिसा हूमड़ जैन समाज ईडर के कार्यकारिणी सदस्य हैं । गुजरात एवं महाराष्ट्र दिगम्बर जैन समाज के ''लाइफ टाईम'' मेम्बर है।

आप परम मुनि भक्त है, मुनियों के चातुर्मास, विहार आदि में सक्रिय भूमिका निभाते हैं ।स्थानीय मन्दिर से जुड़े हुये हैं।

आपकी दो बेटियाँ है एक इंजीनियर और दूसरी होम्योपेथी डाक्टर है एवं बेटा चार्टड एकाउन्टेन्ट हैं।

खुशहाल परिवार के वारिस श्री वसंत जी को बहुत–बहुत बधाई ।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति संयोजक

श्रीमती कौशल्या पतंग्या

मो. 9826634080

निम्न प्रचलित कोर्स में से आप जिसमें भी छात्रवृत्ति लेना चाहें तो आवेदन कर सकते है।

12th (H.S.C)

Diploma In Travel & Tourism, Laboratory Technician Diploma (D.M.L.T.), L.I.C. Agent, Hotel Management Diploma, Air Hostess/Flight Steward, Student Pilot Licence, Professional Pilot Licence, Commercial Pilot Licence

12th Commerce

C.A. Foundation, B.Com, B.B.A., M.B.A(Marketing Finance, Material etc.,Manager/Busssinessman, C.S. Foundation, B.C.A, B.Arch (12th with Maths, English, D.Ed., Call Center., Call Center Executive, Bank Insurance Probationary/Development Officer Exam, L.L.B., L.L.M., C.A, B.Ed., M.Ed.,Teacher, I.C.W.A., Bechelor in Library Science, C.S., Import Export Diploma, M.C.M., M.C.A., Software Job, MPSC,UPSC Exame, I.A.S./Class-1 Officer, Computer Courses (Tally) Indian Military Academy.

12th Science : With PCMB-

B.Sc. in DairyTechnology+M.B.A.,

Bachelor Of Pharmacy+M.B.A./Master Pharmacy,

B.Tech. in Agriculture+M.B.A./M.Tech. in agriculture,

B.Sc.-Bio-Technology+M.B.A./M.Sc Bio Technology,

B.Sc. in Agriculture +M.Sc Animal Husbandry Dairy Technology/ M.B.A.

12th Science : With PCM

N.D.A.-Navy/Army/Airforce ,

B.Arch, diploma in Interior Landscape Design, Bachelor of Planning & Design, Technical Entry in India, B.E+I.E.S. Exam-Job in Railway/Job in Public Sector Company, Merchant Navy,Marine Engineer, MPSC UPSC Exame/I.A.S. Officer, Defence Direct Entry - Indian Navy/Airforce,M.S. (Foreign University), M.B.A., M.Tech (Indian Institute Technology IIT), Government Contractor (Civil Electrical).Direct 2nd year Engineering Diploma,

B.C.S./B.C.A./B.Sc.(Phy.)+M.C.A./M.C.S.,M.C.M., M.B.A,.Film & Television Diploma (FTII)/Film Editing Cinematography Film Processing/Job in Film Production /T.V. Channels., Hotel Management Degree

12th Arts

D.Ed.,/Teacher, B.S.W. + M.S.W., L.L.B. Foundation +D.T.L./D.L.L./L.L.M.,Fashion Designing Diploma, Interior DesigningDiploma,B.B.A.+M.B.A(Manager/Bussinessman), Foreign Languages Diploma, Call Center Job, B.Arch (12th with Maths, English)

B.A.- B.P.Ed/P.T. Teacher/M.A. In Mass Communications, M.A., Bachelor of Journalism, L.L.B., L.L.M, Bachelor of Library Scence, M,B.A., MPSC UPSC Exam(IAS Officer),Diploma in Dramatisations (NSD) Acting in Films/Plays, M.C.A., M.C.M- Software Job, B.Ed+M.Ed., Advertising & Commercial Management Diploma, Event Management Diploma, Sub Inspector Exam for BSF/CRPF/CIS.

संपादक के प्रति अध्यक्षीय उद्गार..... श्रीमती कौशल्याजी पतंग्या

अपने कुशल से कौशल निखारती,
सदा जीवन में संतोष को पाती।
शब्दो की जुगल बंदी कराती,
नीत नये आयाम गढ़ती जाती॥

श्रेष्ठ कलमकार वाग्सूता देवी श्रीमती कौशल्या पतंग्या उम्र के 74 बसंत की साक्षी राजनिती शास्त्र में विशेष योग्यता प्राप्त कर खुशहाल पारिवारिक जीवन यापन कर रही है। आपके पास समाज सेवा का तिलस्मी चीराग है, जहाँ जाती अपनी छाप लगा आती।

श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इन्दौर की वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या पतंग्या वर्ष 1994 से आज तक कार्यरत रहकर अनेक पदो को शोभायमान करके चार बार अध्यक्ष पद के दायित्व का निर्वहन किया।

इसी प्रकार फेडरेशन ऑफ हूमड़ समाज में म.प्र., छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश की चेयरपरसन रहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर महामंत्री के दायित्व का निर्वहन किया।

श्री हूमड़ जैन सहकारी संस्था मर्यादित इन्दौर की पर्याय बनी गत 10 वर्षो तक उपाध्यक्ष बने रह कर।

इसके अतिरिक्त अनेक महिला संगठनों एवं अन्य संगठनो पर विशिष्ठ पदो पर शोभायमान रही, श्रीमती कौशल्या पतंग्या ने अनेक राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रो में अपने लेखो के प्रकाशन के माध्यम से जागृति की अलख जगाई। आपकी साहित्यिक कृतियों मे प्रमुख –

1. हूमड़ जैन समाज का सांस्कृति इतिहास
2. हूमड़ संस्कृति का झलक
3. रत्नत्रय दिवाकर हूमड़ संत
4. निरंतर सह संपादक 'हूमड़ मित्र'।

जिसके उपर सरस्वती का वरद हस्त हो, उस ज्ञान के आलोक को भला किस अवरोध का डर। ज्ञान प्रकाश स्वत: मार्ग बना लेता और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली अनेक गोष्ठियाँ एवं सम्मेलन में भागीदारी कर अपनी विशेष छवी अंकित की। अनेक रिचर्सच पेपर प्रस्तुत कर राष्ट्रीय और महिला जागरूकता के साथ इतिहास को उजागर कर प्रस्तुत किया।

पूत के लक्षण पालने :–

बाल्यकाल से लेकर उच्च शिक्षा एवं उसके उपरांत भी विषय कुछ भी हो, वाद–विवाद

प्रतिस्पर्धा मे सदैव किर्तिमान स्थापित किया।

जिसकी वाणी में ओज, शब्दो मे माधुर्य, कंठ मे मधुरता और हृदय में सर्वगुणो से सम्पन्न आत्मा राम का निवास हो, उसे अवसरों की तलाश नही रहती, अवसर स्वयं आकर्षित हो चले आते है।

राष्ट्रीय स्तर के अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया जिनमें प्रमुख

1. प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम –किरण खेर का कार्यक्रम संचालन वर्ष 1998
2. आवाज की मल्लिका तब्बसुम का कार्यक्रम वर्ष 1999
3. अखिल भारतिय हूमड़ महिला परिषद सम्मेलन अथवा अखिल भारतिय महा अधिवेशन खेड़ ब्रह्मा , इन्दापुर आदि रहे।

सम्मान :

1. श्री जीवराज खुशालचन्द्र ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा सर्वश्रेष्ठ सेवाओं के लिये।
2. श्री हूमड़ युवा मंच, इन्दौर द्वारा वर्ष 1999 में श्रेष्ठ कार्यकर्ता सम्मान।
3. बैंगलूर कर्नाटक में श्रेष्ठ वक्ता के रूप में भट्टारक श्री चारूकिर्तिजी द्वारा सम्मानित 2005।
4. फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज महाराष्ट्र प्रोविन्स द्वारा श्रेष्ठ कार्य के लिए सम्मान।
5. फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज गुजरात प्रोविन्स द्वारा अहमदाबाद में सम्मान।
6. महिला सशिक्तकरण शक्ति संगठन जिला इन्दौर द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर श्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सम्मान।
7. अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद मध्यप्रदेश द्वारा सर्वश्रेष्ठ संपादक सम्मान वर्ष 2020–2022 में।
8. अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद इन्दौर द्वारा सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता सम्मान वर्ष 2002 में।
9. दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग द्वारा इन्दौर में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु सम्मान वर्ष 2000 में।

सदैव समाज के प्रति सहज रहने वाली श्रीमती पतंग्या शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं विद्यार्थीयों के विकास हेतु तन–मन–धन से अर्पित रहती है। इन सब भौतिक उपलब्धियों से सीर पर मुकुट शोभायमान है। धर्मनिष्ठ, तत्व चिन्तक सद् गृहस्थ का जीवन जो सदैव अपनी करूणा ,एवं वात्सल्य से सबके मन में जह बना लेती है।

आपके सुखद दीर्घायु की कामाना ..... **वसंत कुमार दोशी**

फेडरेशन के स्थाई स्तंभ

परम संरक्षक सदस्य

1.	श्री चांदमल हीरालालजी बंडी	मुंबई	022-68525200	9820221699
2.	श्री मदनमोहन सीरेमलजी हूमड़	बड़ौदा	0265-2324690	9227122989
3.	श्री सोहनलाल जैन (लखावत)	बड़ौदा	0265-2394089	9824024805
4.	श्री पवनकुमार धनराजजी गोवाड़िया	सागवाड़ा	02966-254222	9414105229
5.	श्री अशोककुमार भोगीलालजी शाह	उदयपुर	-	9414156680
6.	श्री विजय एस. कियावत	दिल्ली	-	9810038212
7.	श्री दिनेश आर. खोड़निया	सागवाड़ा	-	9414101757
8.	श्री संजय चिरंजीलालजी बक्षी	मुंबई	022-22656812	9323891924
9.	श्री अरूण जैन (मिण्डा)	मुंबई	022-44756257	9987547992
10.	श्री शैलेन्द्र घिया	मुंबई	-	9320640066
11.	श्री विजित विजय रामावत	इन्दौर	-	9826027699
12.	श्री जयंतिलाल सर्राफ	नयागाँव		9414282571
13.	श्री जिनेश चंपकलाल सेठ	अहमदाबाद		–
14.	श्री बी.टी. शाह	हैदराबदा		9849000020
15.	श्री प्रवीणकुमार शाह	खैरवाड़ा		9414737676
16.	श्री प्रकाश थावरचन्दजी पंचोली	खैरवाड़ा		9414474281
17.	श्रीमान ज्ञानचंदजी नन्दलालजी सेठ	मुंबई		9819071996

संरक्षक सदस्य

1.	श्री राजेश भोगीलालजी शाह	उदयपुर	0294-2454621	9414104567
2.	श्री जयंतीलाल लक्ष्मीचंदजी दोशी	दहाणु रोड	02528-223300	9421577825
3.	श्री आशिष हसमुखलालजी तलाटी	बड़ौदा	0265-2252103	9825460957
4.	श्री हसमुख जैन सोहनलालजी गांधी	इन्दौर	-	9302103513
5.	श्री दिनेश सरदारलालजी दोशी	इन्दौर	0731-2368728	9827033512
6.	श्री विमलचंद सज्जनलालजी गांधी	इन्दौर	0731-2431539	9425061316
7.	श्री राजकुमार कन्हैयालालजी मेहता	अहमदाबाद	079-26563375	9376126131
8.	श्री निरंजनकुमार सौभाग्यमलजी जैन	अहमदाबाद	079-26405115	9426517658
9.	श्रीमती मंजुला विरेन्द्रजी दोशी	उज्जैन	-	9993599726
10.	श्री कांतिलाल मगनलालजी शाह	मुंबई	022-23533525	9322223469
11.	श्री गणेशलाल जुमकलालजी सर्राफ	डुंगरपुर	02967-23602	9414567050
12.	पं. हसमुख जैन (डागरिया)	धरियावाद	02950-281102	9413812511
13.	श्री सुंदरलाल सज्जनलालजी डागरिया	उदयपुर	0294-2482753	-
14.	श्री धनपाल लालवत	घाटोल	91414473609	-
15.	श्री मणिलाल लक्ष्मीचंदजी कोठारी	घाटोल	02961-235136	9413750176
16.	श्री जयंतिलाल डागरिया	उदयपुर	-	9414167997
17	श्री मोहनलालजी पिण्डारमिया	परतापूर		9414104105
18.	श्री जयंतिलाल कन्हैयालाल बक्षी	मुंबई		9870026317
19.	श्री कमल मेहता	उदयपुर		9829310523
20.	श्री रमेशजी वगेरिया	उदयपुर		9414159460
21.	श्री डॉ. धनपाल. सी. सालगिया	मुंबई		9819686879
22.	श्री वीरचंद चांदमल गांधी	मनासा		9770064545
23.	श्री दीपक मेहता (यू.एस.ए.)	इन्दौर		9826229133
24.	श्री अजितकुमार कोठिया	डडूका		9413398396

25.	श्री महेन्द्र जसवंतलाल शाह	मुंबई		9867391964
26.	श्री अनिल फतेहलाल कियावत	मंदसौर		7000192007
27.	श्री संजय रमेश तलाटी	देवास		9893690592
28.	श्री विपिन विमलचंद गांधी	इन्दौर		9425065728
29.	श्री भरतकुमार चम्पालाल वखारिया	उदयपुर		9352500938
30.	श्री नरेन्द्रकुमार मणिलाल पंचोली	खैरवाड़ा		9414977003
31.	श्री राजेन्द्रकुमार रतनलाल शाह	नयागाँव		9413025300
32.	श्री बाबुलाल डाडमचंद फड़िया	बबलवाड़ा		9929088004

आजीवन सदस्य

1.	श्री शांतिला एम. सेठ	बांसवाड़ा		9414725202
2.	श्री राजेन्द्र भैय्यालाल बंडी	बांसवाड़ा		9460410294
3.	श्री प्रदीप हीरालालजी सालगिया	अहमदाबाद		9824080900
4.	श्री प्रशांत सी. दोशी	बड़ौदा		9723814699
5.	श्री राजमल जैन (सरिया)	मुंबई		9867742704
6.	श्री सुमतिलाल बालचन्द्र दोशी	अहमदाबाद		9825066651
7.	श्री प्रितम अरविंदजी गांधी	फल्टन		9422400227
8.	श्री राजेन्द्र रतनलाल पतंग्या	उज्जैन		9407158717
9.	श्री एस.आर. दोशी	फल्टन		9271037397
10.	श्री शिखरचंद छगनलालजी जैन	मनासा		9926494835
11.	श्री पवन जावरिया	उदयपुर		9414738068
12.	श्री कन्हैयालाल हवलदार	प्रतापगढ़		9413716310
13.	श्री भावीन गांधी	इडर		9574404944
14.	श्री बदामीलाल बरवारिया	डूंगरपुर		9460243894
15.	श्री गजेन्द्र तनसुखलाल गोवाड़िया	मुंबई		9323747483
16.	श्री सुहास वी. शाह	पुणे		8420106666
17.	डॉ. श्रेणिक शहा	इन्दापुर		9822454340
18.	श्री संजय मानमल भांचावत	मुंबई		9821221152
19.	श्रीमती विमला दोशी	परतापुर		9425067474
20.	श्रीमती जयाबेन सालगिया	इन्दौर		9822191191
21.	श्री प्रमोद मोतीलालजी दोशी	बारामती		9850294531
22.	श्री रमेशचंद्र दोशी	झाबुआ		9425102130
23.	श्री प्रकाश छगनलाल जैन (दोशी)	तलवाड़ा		–
24.	श्री कांतिलाल नानचंद शाह	हिम्मतनगर		9824272733
25.	श्री प्रमोद सूरजमलजी गांधी	मनासा		9425123353
26.	श्री मनोहरलाल गांधी	मनासा		9926088989

27.	श्री श्रीपाल रामलाल गांधी	मनासा		–
28.	श्री शांतिलाल पूनमचंद पंचोली	छाणी		–
29.	श्री अक्षय मोहनलाल कोरिया	उज्जैन		9179379664
30.	श्री हेमंत शाह	उदयपुर		9414925819
31.	श्री वस्तुपाल पचोरी	उदयपुर		9414385761
32.	श्री रमेशचंद गोदावत	उदयपुर		9828127984
33.	श्री दिनेशचंद भोगीलाल शाह	डूंगरपुर		9414105185
34.	श्री बाबुलाल विजयचंद जैन	केशरियाजी		9571807676
35.	श्री राजेन्द्रकुमार छोटेलाल शाह	खैरवाड़ा		9460083578
36.	श्री विशाल प्रकाशचंद जैन (पचोली)	खैरवाड़ा		9414976990
37.	श्री नरेन्द्रकुमार देवचंद वैद्य(शाह)	नयागांव		9783423001
38.	श्री हीरालाल शिखरचंद शाह	नयागांव		9414167895
39.	श्री गुणवंत चंदनलाल जैन	नयागांव		9460327227
40.	श्री रजनीश साकारचंद जैन	नयागांव		9799105070
41.	श्री भोमिक जयंतिलाल शाह	नयागांव		8860179180
42.	श्री लोकेश रमेशचंद जैन	नयागांव		9799974742
43.	श्री कांतिलाल मिराचन्द शाह	नयागांव		9799132033
44.	श्री कन्हैयालाल हुकमचंद जैन	नयागांव		9414976757
45.	श्री बाबुलाल अमृतलाल शाह	छाणी		9602908822
46.	श्री कमलेश नरेन्द्र शाह	छाणी		9636164089
47.	श्री गणेशलाल मोतीलाल दोशी	बीछीवाड़ा		9928133633
48.	श्री कांतिलाल दोशी	बीछीवाड़ा		9461576121
49.	श्री मोहनलाल मगनलाल वखारिया	बीछीवाड़ा		9414723060
50.	श्री सुमन रमणलाल छापीया	बीछीवाड़ा		9414723347
51.	श्री विमलचंद सोहनलाल दाणी	झाबुआ		9425033075
52.	श्री महावीरकुमार चंपालाल मादावत	जावरा		9425195192
53.	श्री प्रविण पाणोत	श्यामगढ़		9424041016
54.	श्री मुकेश महावीरकुमार	श्यामगढ़		9826054851
55.	श्री महावीर रतनलाल दोशी	भावगढ़		9755690810
56.	श्री हेमंत विजेन्द्र सेठ	बांसवाड़ा		9414102255
57.	श्री विकास मेहता	बांसवाड़ा		9414101112
58.	श्री मिहीर बाहुबली गांधी	अकलुज		9637073395
59.	श्री राकेश बाहुबली जैन	उदयपुर		–

60.	श्री अनिल मेहता	उदयपुर		9828630721
61.	श्री जयंतिलाल राजावत	उदयपुर		–
62.	श्री दिनेश मांगीलाल दोशी	रानीगाव		–
63.	श्री दिलीप शांतिलाल फडिया	अहमदाबाद		9825577887
64.	श्री सुरेन्द्र मोहनलाल हूमड़	भीलवाड़ा		9819183330
65.	श्री महेन्द्र कोठारी	फलासिया		9460320099
66.	श्री हुकमीचंद धुलीचंद धन्नावत	उदयपुर		–
67.	श्री कांतिलाल केशरीमल कियावत	जावरा		9993307651
68.	श्री वंसतकुमार कांतिलाल दोशी	अहमदाबाद		9426742659
69.	श्री राकेश मोतीलाल शाह	अहमदाबाद		9825577372
70.	श्री विक्रम तलाटी	अहमदाबाद		9879017093
71.	श्री आशीष गुलाबचंद देवडिया	अरथुना		–
72.	श्री किर्ती कुमार केशरीमल शाह	सागवाड़ा		–
73.	श्री विनोदकुमार शाह (जैन)	परतापूर		–
74.	श्री शरद हिरान्दजी दोशी	खंडाला		–
75.	श्री दिपक जड़ावचंदजी भूता	मन्दसौर		–
76.	श्री डॉ. राजमल देवीलाल कोठारी	अहमदाबाद		9427001972
77.	श्री विरेन्द्रकुमार हुकुमचंद धनावत	–		–
78.	श्री भूपेन्द्र कुरीचंद जैन	डूंगरपूर		–
79.	श्री राकेश भरतकुमार	बड़ौदा		7096105108
80.	श्री सुदीप भरतकुमार जैन	बड़ौदा		7096105108
81.	श्री डॉ. संतोष भरतलाल शाह	अलंद		9448494220
82.	श्री निर्मलकुमार कांतिलाल भूता	संतरामपुर		9426362663
83.	श्री विपिन गणेशलाल पंचोली	अहमदाबाद		–
84.	श्री प्रवीणकुमार विमलचंद पंचोली	अहमदाबाद		9909908517
85.	श्री प्रमोद जे. शाह	गुलमर्गा		–
86.	श्री कालीदास भगवानदास गांधी	दाहोद		9825031613
87.	श्री अमरिश जयन्तिलाल शशाह	अहमदाबाद		–
88.	श्री सुनिल वाडीलाल मेहता	अहमदाबाद		–
89.	श्री श्रीपाल कांतिलाल शाह	हिम्मतनगर		–
90.	श्री सुशील सुभाष शाह	दौंड		9822056066
91.	श्री मनीष मनोजभाई पानवाला	सूरत		–

पाँचो प्रोविंस कार्यकारिणी 2021–2024

क्षेत्र क्रमांक – 1

राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली पंजाब एवं चड़ीगढ प्रोविंस

अध्यक्ष–	प्रवीण शाह जैन, खेरवाड़ा
उपाध्यक्ष –	धनपाल लालवत जैन, घाटोल भरतकुमार कोरावतजैन,परतापुर कीर्तिकुमार जैन, सागवाड़ा रमेशचन्द्र वेगरिया, उदयपुर पवनकुमार जावरिया, उदयपुर बाबुलाल ए. शाह जैन, छाणी
मंत्री –	शांतिलाल पंचोली जैन, छाणी
सहमंत्री –	रजनीश जैन, नयागांव
कोषाध्यक्ष –	कन्हैयालाल बदीचंद जैन, अरथुना
नेत्रदान प्रभारी–	डॉ. विपीन शाह, सागवाड़ा
सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी –	खुशबु जैन, नयागांव
शैक्षणिक प्रकोष्ठ प्रभारी –	भौमिक शाह, नयागांव
प्रवक्ता –	नरेन्द्र पंचोली, खेरवाड़ा

परामर्शदाता:
दिनेश खोडनिया–सागवाड़ा
पवन गोवाडिया–सागवाड़ा
जयंतिलाल शाह–नयागांव
अशोक कुमार शाह–उदयपुर
देवेन्द्र छाप्या–उदयपुर
गणेशलाल सर्राफ – डूंगरपूर
हसमुख जैन–प्रतिष्ठाचार्य
अजीतकुमार कोठिया–डडूका,
बसंतलाल पंचोली–साबला

संरक्षक :
शांतीलालसेठ– बांसवाड़ा, दिनेश शाह– डूंगरपूर, मोहनलाल पिण्डारमिया–परतापूर, सुरेशचन्द्र गांधी–नौगामा, प्रकाश पंचोली–खेरवाड़ा, राजेन्द्रकुमार बंडी–बांसवाड़ा, जयंतिलाल डागरिया–उदयपुर, शैलेन्द्र दोसी–बांसवाड़ा, राजेश बी. शाह–उदयपुर, बदामीलाल वखारिया–डूंगरपूर, बाबुलाल फडीया–बावलवाड़ा, चन्द्रशेखर सिंघवी–सागवाड़ा

सदस्य:
राजेन्द्रकुमार शाह–नयागांव, प्रकाश दोशी–तलवाड़ा, विमला दोशी–परतापुर, लीला दोशी–तलवाड़ा, दिपाली रोकड़िया–गढ़ी, संजय जैन–अरथुना, कमल मेहता–उदयपुर, सुमन छाप्या–बिछिवाड़ा, कांतिला दोशी–बिछिवाड़ा, राजेन्द्रकुमार कोठिया–डडूका, हेमंत शाह–परतापुर, सतीश जैन–खोडन, सुविधा मोड़ासिया–अजमेर, अनिल मेहता–उदयपुर, विकेश मेहता– बांसवाड़ा, कमलेश घिरावत–गडी, दिनेश ए. शाह–आंजनर, अजीत मुंगाणिया–घाटोल

क्षेत्र क्रमांक – 2

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ प्रोविंस

अध्यक्ष–	कौशल्या पतंग्या, इन्दौर
उपाध्यक्ष –	रजीकान्त गांधी, इन्दौर महेन्द्र बंडी, इन्दौर (राष्ट्रीय नेत्रदान संयोजक)
मंत्री –	अन्तिम कियावत, जावरा
सहमंत्री –	विजय दोशी, इन्दौर
कोषाध्यक्ष –	दीपक भूता, मन्दसौर

परामर्श दाता :
हसमुख गांधी–इन्दौर
विपिन गांधी–इन्दौर
पवन बागड़िया–इन्दौर
राजेन्द्र पतंग्या–उज्जैन

सदस्य :
जयश्री कियावत–भोपाल, प्रीति खासगीवाला–रायपुर, मधु कोठारी–उज्जैन, जयंतीलाल पाणोत–रतलाम, कमलेश हूमड़ –खण्डवा, अभय शाह–देवास, दीपक कोरिया–भानपुर, प्रदीप गांधी–मनासा, मुकेश जैन–शामगढ़, अभय मेहता–थांदला, कैलाश गाड़िया–जावद, राजेश कियावत – जावरा।

क्षेत्र क्रमांक –3

गुजरात प्रोविन्स

अध्यक्ष –	कालिदास गांधी, दाहोद
उपाध्यक्ष –	स्वतंत्र तलाटी मनीषभाई पानवाला कुमार पाल धामी चिराग दोसी सिद्धार्थ जैन
मंत्री –	सुदीप जैन विशाल गांधी
सह मंत्री –	मयंक जैन–दाहोद निलम सेठ
संयोजक –	चंद्रेश भूता
कोषाध्यक्ष –	विक्रम तलाटी निर्मल सेठ

सदस्य :
अश्विन पन्नालाल जैन, अजित सुमतिलाल गांधी, शीला गांधी, विपिन पंचोली, शरद गोडलिया, अंकित सेठ, भद्रबाहु गांधी, हितेश सरैया, आशिष जैन, राहिल कोडिया, समीर पानवाला, विरेन्द्र सेठ, अमिनेश दलाल, वंसत के. दोशी, महावीर दोशी, दिनेश तम्बोली, अतुल शाह, नलिन शाह, निर्मल भूता, ऋषभ दोशी, प्रीति बोबड़ा, ममता जैन, कल्पना दोशी, प्रियंका दोशी, रश्मि संघवी, श्रीपाल के. शाह, महिपाल पंचोरी।

क्षेत्र क्रंमाक –4

महाराष्ट्र एवं गोवा प्रोविंस

अध्यक्ष –	सचिन सुरेश शाह
सचिव –	रविन्द्र हिरालाल गांधी
उपाध्यक्ष –	नंदकुमार बी. दोसी
उप सचिव –	भरत आर. दोशी
कोषाध्यक्ष –	मनीष प्रवीणकुमार शाह

सदस्य:
मंगेश भरत दोसी, किरण जे. शाह, राहुल एस. शाह, सीतश एम. व्होरा, नरेन्द्र गांधी, डॉ. विकास शाह, सुशील शाह, स्वप्निल शाह, श्रेणिक शाह, दीपक व्होरा, राजेश गांधी, अमृतराज गांधी, वीरकुमार ए. दोसी, नमन गांधी, मयुर गांधी, प्रशांत सी. गांधी, भरतेश गांधी, जिनेन्द्र दोसी, महावीर वी. शाह, डॉ. राजेश शाह, शैलेष एन. गांधी, अभिजित डोभाडा, नवजीवन डी. दोसी, सत्यजीत जे. दोसी, बाहुबली ए. शाह, डॉ. सूर्यकांत दोसी, अक्षय सी. दोसी, सुनील शेठ, सचिन डोसी, मनोज जे. शाह, सूर्यकांत शाह, पराग गांधी, अमोल ढूढल, संदेश गांधी, राजेन्द्र गांधी, संदेश दोसी, अनील शाह, राजेन्द्र के. कोठारी, सारंग शाह, आनंदलाल गांधी, यश भरत शाह, सम्मेद आर. शाह, विजय विनोद शाह, प्रेमवर्धन बी. शाह, सचिन सी. गाधी, रवीन्द्र सी. गांधी, प्रवीण पी. मेहता, समीर म. गांधी, डॉ. रविकिरण एम शाह, संतोष एस. शाह

क्षेत्र क्रंमाक –5

आंध्रप्रदेश, कर्नाटक व शेष राज्य प्रोविन्स

अध्यक्ष –	प्रमोद जयकुमार शाह
उपाध्यक्ष –	डॉ. संतोष भरतलाल शाह अंशुमान शाह विजय सुरेश मेहरा
सचिव –	अभिजित अरविंद शाह विनय सुरेश मेहता
संयुक्त सचिव –	राहुल दिलीप शाह सुनिल मोहनलाल शाह
सह सचिव –	प्रितम मेहता
कोषाध्यक्ष –	किरणकुमार शाह, अजय रतनचंद शाह

सदस्य :

नितीबाला रामावत, हैदराबाद, विनयकुमार शाह, आनन्द .सी. शाह, डॉ. श्रेयांस पी. कोठारी, डॉ. प्रशांत शाह, जितेश कोठारी, मुकेश मेहता, दिनेश ए. कोठारी, संजोत विनोदकुमार शाह, पंकज मोहनलाल शाह, डॉ. हर्षद मोहनलाल शाह, अभिजीत इन्द्रजित शाह, स्वप्निल शाह, रमेश भाई

शपथ विधि – महाराष्ट्र एवं गोवा प्रोविंस 1मई 2022 – दाहोद

शपथ विधि
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ प्रोविंस
1 मई 2022, दाहोद

शपथ विधि
फेडरेशन ऑफ हूमड जैन समाज – कार्यकारिणी
1 मई 2022, दाहोद

रक्तदान शिविर

वडोदरा मिटींग –2 अक्टोबर 2022
फोटो अनावरण